नई दिल्ली। गुरुवार, 01 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 266/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया ...
@ विचार चुनाव आयोग की साख और विपक्ष के सवाल...
@ व्यापार सेंसेक्स और निफ्टी में 0.42 प्रतिशत तक की गिरावट...

खबर झरोखा

रूस में नौकरी के नाम पर सेना में भर्ती से बचें भारतीय नागरिक: विदेश मंत्रालय



नई दिल्ली। रूस में भारतीय नागरिकों के रूसी सशस्त्र बलों में भर्ती होने की लगातार सामने आ रही रिपोर्टों के बीच भारत सरकार ने एक बार फिर नागरिकों को आगाह किया है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों से रूस में नौकरी के अवसर तलाशते समय सावधानी बरतने और अप्रमाणित व्यक्तियों की ओर से दिए जाने वाले नौकरी के प्रस्तावों के झांसे में नहीं आने की सलाह दी है।

मुस्कान और साहिल दोषी करार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मेरठ में चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड को लेकर कोर्ट का फैसला आ गया है। कोर्ट ने पति की हत्या कर उसके शव को नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम में छिपाने के आरोपी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को दोषी करार दिया है। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने यह फैसला सुनाया है। इस मामले में सजा का ऐलान 14 अक्टूबर को किया जाएगा। बता दें कि सौरभ राजपूत हत्याकांड में जुलाई 2025 में ट्रायल शुरू हुआ था।

गुवाहाटी में 'गरजा' गिल का बल्ला

वनडे सीरीज में भारत की अजेय बढ़त

एजेंसी ■ गुवाहाटी

कप्तान शुभमन गिल की डबल सेंचुरी के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बारसापरा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम किया। बुधवार को खेले गए इस मैच में दमदार जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 405 रन बनाए। इस टीम को 37 के स्कोर पर कीसी कार्टी (9) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद जॉन कैंपबेल ने शाई होप के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रन जोड़ते हुए टीम को 147 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

कैंपबेल 68 गेंदों में 5 छक्कों और 9 चौकों के साथ 101 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान शाई होप ने आमिर जंगू के साथ 131 गेंदो में 182 रन जोड़कर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

होप 94 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे, जबकि आमिर 77 गेंदों में 3 छक्कों और 13 चौकों के साथ 114 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, रोस्टन चेज ने 29 रन की नाबाद पारी खेली।



भारत के लिए गूरनूर बरार, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में भारत ने 43.3 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 158 गेंदों में 255 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

रोहित 75 गेंदों में 6 छक्कों और 10 चौकों के साथ 101 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद गिल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 65 रन जुटाकर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

यहां से गिल ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 68 गेदों में 86 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। गिल 133 गेंदों में 223 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान 8 छक्के और 26 चौके लगाए। यह वनडे फॉर्मेट में गिल का सबसे बड़ा स्कोर रहा। ऋतुराज गायकवाड़ 37 गेंदों में 2 चौकों के साथ 31 रन बनाकर नाबाद रहे। मेहमान टीम की तरफ से जेडेन सील्स और शमार जोसेफ ने एक-एक सफलताएं हासिल कीं।

पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच हुई फोन पर बातचीत

अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर की चर्चा



एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ फोन पर हुई बातचीत की जानकारी साझा की है। पीएम मोदी ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर उपयोगी बातचीत हुई। इस दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण तकनीकों समेत कई क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की समीक्षा की गई। बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की समीक्षा की। दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण तकनीकों जैसे क्षेत्रों में पहले से चल रहे सहयोग पर चर्चा हुई। बातचीत का एक प्रमुख हिस्सा दोनों देशों के व्यापक वैश्विक रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने से जुड़ा रहा। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत और अमेरिका के बीच लगातार संपर्क बनाए रखना जरूरी है, ताकि दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाया जा सके।

व्यापार और रणनीतिक सहयोग के बीच बातचीत क्यों अहम ?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और रणनीतिक सहयोग लगातार महत्वपूर्ण क्षेत्र बने हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत ऐसे समय में हुई, जब दोनों देश व्यापार और रणनीतिक सहयोग को लेकर संपर्क में हैं। बातचीत में रक्षा, ऊर्जा और उभरती तकनीकों को भी महत्वपूर्ण क्षेत्र के तौर पर देखा गया।

दोनों नेताओं की बातचीत से यह सामने आया कि भारत-अमेरिका संबंधों में कई अलग-अलग क्षेत्रों को साथ लेकर आगे बढ़ने की कोशिश जारी है। दोनों पक्षों ने करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई है।

19 विपक्षी दल 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग घेरेंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत 19 विपक्षी पार्टियां 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगी।

6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव किया जाएगा। यह फैसला बुधवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडिया ब्लॉक बैठक में लिया गया।



करीब 3 घंटे चली बैठक में 3 बातों पर सहमति बनी

सीइसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाया जाए। वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों को सार्वजनिक किया जाए। नाम हटाने से पहले वोटर को नोटिस और अपील का मौका मिले। ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। बैठक के बाद खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी- शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है। भाजपा चुनाव आयोग के साथ वोट चोरी कर रही है।

इससे पहले 11 अगस्त 2025 को इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था। इसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, शरद पवार समेत 25 विपक्षी दल शामिल हुए थे। विपक्ष का आरोप था कि चुनावी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और वोट चोरी हो रही है।

एशियन गेम्स में भारत का गोल्डन हैट्रिक

फाइनल में चीनी तीरंदाजों को हराया

एजेंसी ■ ओकाजाकी

एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारतीय दल का आर्चरी में स्वर्णिम सफर जारी है। भारतीय आर्चरी टीम ने तीसरा गोल्ड जीत लिया है। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम थिरुमुरु वाली भारतीय पुरुषों की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीता।



कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम थिरुमुरु की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में चीन के जियाओ लियाओ, जिनयी लियू और जिंग्यू शी को 238-237 से हराकर भारत के कंपाउंड तीरंदाजों के लिए गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत फाइनल में दो पॉइंट से पीछे था और चीन की बढ़त को खत्म करने के लिए उसे एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी।

तीसरे और पांचवें शॉट में दो 9 के बाद शुरुआती एंड के बाद भारत 58-60 से पीछे हो गया। भारतीय तीरंदाजों ने अगले एंड में छह परफेक्ट 10 के साथ जवाब दिया, लेकिन फिर भी 118-120 से पीछे थे। तीसरे एंड के बाद अंतर एक पॉइंट घटकर 178-179 रह गया, जिससे एक तनावपूर्ण फिनिश की स्थिति बन गई।

इसके बाद चीन के जियाओ लियाओ ने 8 का शॉट मारा, जिससे भारत के लिए दरवाजा खुल गया। भारतीय तिकड़ी ने आखिरी छह शॉट में बिना किसी गलती के 238 का स्कोर किया और एक पॉइंट के अंतर से गोल्ड मेडल पक्का किया।

भारतीय टीम ने इससे पहले सेमीफाइनल में कोरिया को 236-229 से हराया था। कोरियाई टीम में चोई यून ग्यू, चोई योंगही और किम जोंगहो शामिल थे।

इससे पहले टूर्नामेंट में, चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की भारत की कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने कोरिया को एक मुश्किल शूट-ऑफ में हराकर गोल्ड मेडल जीता था। इस जीत से 2028 गेम्स के लिए ओलंपिक कोटा भी पक्का हो गया।

भारत की महिला कंपाउंड टीम ने भी गोल्ड मेडल जीता। इस टीम में चिकिथा तानिपार्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम शामिल थीं। भारतीय तिकड़ी ने चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। भारत ने एशियन गेम्स में तीनों कंपाउंड आर्चरी टीम गोल्ड मेडल जीतकर क्लीन स्वीप किया।

जो नशे में गुरुओं का अपमान करे, वो पंजाब को नशामुक्त नहीं कर सकता : अमित शाह

एजेंसी ■ जालंधर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पंजाब के जालंधर में 'नशामुक्त पंजाब यात्रा' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा और पंजाब को नशामुक्त करने का वादा किया।



जालंधर में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'जालंधर आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है लेकिन जालंधर में नशामुक्त पंजाब के लिए आना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है।

उन्होंने पंजाब के योगदान को याद करते हुए कहा कि पंजाब देश में दो चीजों के लिए जाना जाता है। पहला, जब भी देश में खाने-पीने की जरूरत पड़ी, तो पंजाब के किसानों ने हमारे गोदामों को भरा और आज भी भर रहे हैं। दूसरा, आजादी से पहले हो या बाद में, जब भी सुरक्षा की बात आई, तो पंजाब का जवाब हमेशा तैयार रहा।

अमित शाह ने कहा, 'पंजाबियों के बलिदान से न सिर्फ हमें आजादी मिली बल्कि आजादी के बाद भी भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए पंजाब ने सबसे ज्यादा बलिदान दिया है।' इसी वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पठानकोट से यह यात्रा शुरू की थी। 13 दिन, 4,000 किलोमीटर और 117 विधानसभा क्षेत्रों में घूमकर आज यह यात्रा जालंधर में समाप्त हो रही है।

आयुष्मान योजना में अध्यधिक जोखिम श्रेणी के 17 अस्पतालों की जांच

संवाददाता ■ रायपुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा आयुष्मान योजना के अंतर्गत अत्यधिक जोखिम स्कोर वाले 17 अस्पतालों को चिन्हांकित किए जाने के बाद संचालनालय, स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ द्वारा गठित राज्य स्तरीय जांच दल ने आज संबंधित अस्पतालों का निरीक्षण कर आवश्यक दस्तावेजों की जांच की।

जांच के दायरे में रायपुर के 7, बिलासपुर के 3, दुर्ग के 2 तथा सरगुजा, बस्तर, कबीरधाम, कोंडागांव और कोरबा के एक-एक अस्पताल शामिल हैं। जांच के दौरान संबंधित अस्पतालों से आयुष्मान योजना के अंतर्गत मरीजों को उपलब्ध कराए गए उपचार से संबंधित दस्तावेज प्राप्त किए गए हैं। इन दस्तावेजों का विस्तृत परीक्षण किया जाएगा तथा जांच में प्राप्त तथ्यों एवं निष्कर्षों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जांच के दायरे में आए अस्पताल - एचसीएच हॉस्पिटल बस्तर, अशोक प्रसूति मंदिर बिलासपुर, केयर एन क्योर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल बिलासपुर, मेहता चिल्ड्रन नर्सिंग होम बिलासपुर, श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस दुर्ग, पल्स हॉस्पिटल दुर्ग, जय जगन्नाथ हेल्थकेयर कबीरधाम, नेताम हॉस्पिटल एण्ड इनफर्टीलिटी सेंटर कोण्डागांव, हरिकृष्ण केयर हॉस्पिटल कोरबा, श्री रावतपुरा सरकार हॉस्पिटल रायपुर, श्री अनंत साईं हास्पिटल रायपुर, श्री महावीर हॉस्पिटल रायपुर, श्रीनिवास हॉस्पिटल रायपुर, एसके केयर हॉस्पिटल रायपुर, विजन सेंटर आई हॉस्पिटल रायपुर, वरदान हॉस्पिटल रायपुर इन सभी हॉस्पिटलों की जांच की गई है।

दो अस्पतालों पर पैनल से हटाने की कार्रवाई - राज्य स्तरीय जांच दल की अनुशंसा के आधार पर 28 एवं 29 सितंबर 2026 को रायपुर स्थित मेडिलाईफ हॉस्पिटल एवं लोटस हॉस्पिटल के विरुद्ध आयुष्मान योजना से पैनल से हटाने की कार्रवाई भी की गई है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सतत निगरानी - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देशानुसार, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा आयुष्मान योजना के अंतर्गत अस्पतालों में उपचार तथा दावों की प्रक्रिया की सतत जांच एवं निगरानी की जा रही है।

इसका उद्देश्य आयुष्मान योजना के पात्र हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं नियमानुसार स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को और मजबूत करना है।

केंद्र ने रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को मंजूरी दी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी।



एमएसपी में सबसे अधिक बढ़ोतरी कुसुम के लिए 675 रुपए प्रति क्विंटल की गई है। इसके बाद रेपसीड और सरसों के एमएसपी में 413 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, मसूर की एमएसपी में 390 रुपए प्रति क्विंटल, जौ में 136 रुपए प्रति क्विंटल, चने में 83 रुपए प्रति क्विंटल और गेहूं में 25 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।

सरकार ने रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की है।

बयान में कहा गया कि विपणन सत्र 2027-28 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के एमएसपी में यह बढ़ोतरी केंद्रीय बजट 2018-19 में की गई घोषणा के अनुरूप है। इसके तहत एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय किया जाता है।

हाल के वर्षों में सरकार अनाज के अलावा दालों और तिलहनों जैसी फसलों की खेती को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए इन फसलों पर अपेक्षाकृत अधिक एमएसपी की पेशकश की जा रही है।

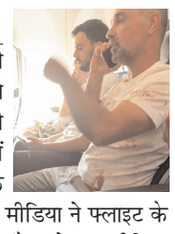
वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान गेहूं की खरीद बढ़कर 3,715 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) हो गई, जबकि 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह 2,254 एलएमटी थी।

वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान छह रबी फसलों की खरीद बढ़कर 3,921 एलएमटी हो गई, जबकि 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह 2,302 एलएमटी थी।

वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान गेहूं उत्पादक किसानों को एमएसपी के रूप में किया गया भुगतान बढ़कर 7.31 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह 2.56 लाख करोड़ रुपए था। इसके अलावा, वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान छह रबी फसलों के उत्पादक किसानों को एमएसपी के रूप में किया गया भुगतान बढ़कर 8.36 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह 2.65 लाख करोड़ रुपए था।

तेल अवीव जा रही फ्लाइट को क्रैश कराना चाहता था पायलट

एजेंसी ■ तेल अवीव



दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट को एक पायलट ने क्रैश कराने की कोशिश की थी, हालांकि समय पर यात्रियों और क्रू ने उसे लैंड कराने के लिए राजी कर लिया। स्थानीय मीडिया ने फ्लाइट के यात्रियों से मिली जानकारी और सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए ये दावा किया है। द टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक, दूसरे पायलट, क्रू और कुछ यात्रियों ने जोर जबरदस्ती कर पायलट को प्लेन गिराने से रोका। इसके बाद विमान से हाईजैक अलर्ट भेजा गया, जिसके बाद इजरायल ने फाइटर जेट भेजे। विमान ने रास्ता बदलकर सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। पायलट के विमान क्रैश करने की कोशिश के दावे की आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। हालांकि, इजरायली अधिकारियों ने विमान में पायलटों के बीच हाथापाई की घटना की पुष्टि की है। एक इजरायली अधिकारी ने 'द यरूशलम पोस्ट' को बताया कि एक बड़ी दुर्घटना बाल-बाल टल गई ।

यह बात तब सामने आई जब ऐसी आशंकाएं बढ़ रही थीं कि एक पायलट ने विमान को जमीन पर गिराने के इरादे से उसे हाईजैक करने की कोशिश की थी। अधिकारी ने 'पोस्ट' को बताया कि फ्लाइट में मौजूद अतिरिक्त क्रू और इजरायली यात्रियों की मदद से पायलट को काबू में किया गया।

तीर तेवर — सागर कुमार



डीजे का भयानक और जानलेवा साउंड : एक स्कूल और एक कॉलेज छात्रा की मौत, कहीं दुकान का छज्जा गिरा, अनेकों चाकूबाजी और मौतों की खबरें



रायपुर में सफाई व्यवस्था वर्ल्ड क्लास होगी - संबित मिश्रा

शहर को चार क्लस्टर में बांटकर 5,000 से अधिक बीट की होगी दैनिक निगरानी

विश्व केसरी■



रायपुर। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ रायपुर में सफाई व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणाम आधारित बनाने के लिए व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रमुख प्रावधानों और रायपुर में उनके क्रियान्वयन की तैयारियों की जानकारी दी।

मिश्रा ने कहा कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत PRAGATI-50 के अंतर्गत देश के 50 शहरों का चयन इस उद्देश्य से किया गया है कि वहां स्वच्छता इस स्तर की हो कि शहर में आने वाले व्यक्ति को स्वच्छता स्पष्ट रूप से दिखाई दे। छत्तीसगढ़ से रायपुर और बिलासपुर को इन शहरों में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप रायपुर को विश्वस्तरीय शहर की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए नियमित सफाई व्यवस्था से आगे बढ़कर ऐसी प्रणाली विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका परिणाम जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे।

उन्होंने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 में कचरे के स्रोत पर पृथक्करण को और अधिक व्यापक बनाया गया है। अब गीले और सूखे कचरे के साथ सैनिटरी कचरे तथा विशेष देखभाल वाले कचरे को भी अलग रखने पर जोर दिया गया है। सैनिटरी कचरे में डायपर और सैनिटरी पैड जैसी वस्तुएं शामिल हैं, जबकि विशेष देखभाल वाले कचरे में बैटरी, बल्ब, ट्यूब लाइट, पारा थर्मामीटर और ऐसी अन्य वस्तुएं शामिल हैं, जिनके सुरक्षित प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

आयुक्त ने कहा कि, नागरिकों को कचरे को अलग-अलग करके देने की आदत विकसित करनी चाहिए। नगर निगम की कचरा संग्रहण व्यवस्था में भी चारों श्रेणियों के कचरे को अलग-अलग एकत्र करने की व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्रोत पर कचरे का सही पृथक्करण हो जाने से आगे की पूरी प्रसंस्करण और निस्तारण प्रक्रिया आसान हो जाती है तथा कचरे से उपयोगी संसाधनों की पुनर्प्राप्ति भी बेहतर ढंग से संभव होती है।

बड़े कचरा उत्पादकों की जिम्मेदारी होगी अधिक

मिश्रा ने बताया कि नए नियमों में बड़े पैमाने पर कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों और परिसरों के लिए जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। बड़े आवासीय परिसर, मॉल, वाणिज्यिक परिसर, संस्थान, हॉस्टल और कॉलेज जैसे प्रतिष्ठान, जहां बड़ी मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है, उनके लिए कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी अधिक स्पष्ट की गई है।

उन्होंने कहा कि ऐसे परिसरों में उत्पन्न होने वाले गीले कचरे का यथासंभव परिसर में ही प्रसंस्करण किया जाना चाहिए। इसके लिए कंपोस्टिंग अथवा बायोमिथेनेशन जैसी व्यवस्थाएं अपनाई जा सकती हैं। इसी प्रकार अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग के लिए आवश्यकतानुसार छोटे स्तर के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की व्यवस्था कर उसका उपयोग बगीचों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि जहां बायोगैस संयंत्र उपलब्ध हैं, वहां संबंधित संस्थान समझौते के माध्यम से अपने गीले कचरे को ऐसे संयंत्रों तक पहुंचा सकते हैं।

जेल के बाहर मंगौड़ी सेंटर पर छापा



विश्व केसरी■

रायपुर। सेंट्रल जेल के बाहर चल रहे एक मंगौड़ी सेंटर पर कार्रवाई के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक जेल प्रशासन की टीम ने सेंटर पर दबिश दी, जहां से गांजा, नशीली गोलियां, तंबाकू और बड़ी मात्रा में नकदी मिलने की बात सामने आई है।

सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई में करीब 400 पैकेट सितार गुटखा, गांजा, नशीली गोलियां, दो मोबाइल और करीब 70 से 72 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि सेंटर जेल प्रहरी राजेश वर्मा से जुड़ा है। सूत्रों का दावा है कि यहां से नशीला सामान जेल के अंदर पहुंचाया जाता था। हालांकि, इस दावे की अभी स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ऑनलाइन भुगतान कथित तौर पर राजेश वर्मा की बेटी के बैंक खाते में लिए जाने की बात भी सामने आई है। वहीं एक अन्य जेल प्रहरी मन्नत पुरैना के पास से भी 15 पैकेट तंबाकू मिलने की जानकारी है। कार्रवाई के बाद सेंटर करीब तीन दिन से बंद बताया जा रहा है। मामले में विभागीय कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अब जेल प्रशासन की आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

रायपुर में पहली बार महिला टी 20 इंटरनेशनल सीरीज



विश्व केसरी■

रायपुर। क्रिकेट फैंस के लिए राजधानी से बड़ी खबर है। रायपुर में पहली बार महिला ञ्20 इंटरनेशनल मुकाबले होने जा रहे हैं।

शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीमों के बीच तीन मैचों की ञ्20ङ्घ सीरीज खेली जाएगी।

सीरीज का पहला मुकाबला 16 अक्टूबर, दूसरा 18 अक्टूबर और तीसरा 20 अक्टूबर को रायपुर में होगा। तीनों मैचों का निर्धारित स्थानीय समय शाम 7 बजे है।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने सीरीज को लेकर स्टेडियम की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब नजर टिकटों पर है। टिकट की कीमत, बिक्री और ऑनलाइन बुकिंग से जुड़ी जानकारी अक्टूबर के पहले सप्ताह में जारी होने की बात कही गई है। रायपुर में होने वाली इस सीरीज के बाद भारत-जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की ODI सीरीज वडोदरा में खेली जाएगी।

नारकोटिक्स के वित्तीय नेटवर्क पर प्रहार के लिए प्रभावी जांच जरूरी - एडीजी अमित कुमार

पुलिस मुख्यालय में नारकोटिक्स मामलों की फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर राज्यस्तरीय कार्यशाला

विश्व केसरी■



रायपुर। नारकोटिक्स के मामलों में केवल आरोपियों तक पहुंचने के बजाय नशे के अवैध कारोबार से जुड़े पूरे वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में नारकोटिक्स प्रकरणों की फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेशभर से उप पुलिस अधीक्षक से सहायक उप निरीक्षक स्तर तक के 70 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नारकोटिक्स अमित कुमार ने कहा कि नारकोटिक्स के मामलों में अपराधियों को सजा दिलाने के साथ ही उनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान और जब्ती कर वित्तीय नेटवर्क को तोड़ना आवश्यक है। इसके लिए प्रभावी और व्यापक विवेचना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नारकोटिक्स पदार्थ कहां से आ रहा है, कौन इसकी आपूर्ति कर रहा है और इसे किस तक पहुंचाया जा रहा है, इन सभी पहलुओं पर फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंक स्थापित करते हुए वित्तीय जांच की जानी चाहिए। इससे नशे के कारोबार से जुड़े वित्तीय नेटवर्क की पहचान कर उसके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है।

उप पुलिस महानिरीक्षक, नारकोटिक्स पारुल माथुर ने कहा कि एनडीपीएस प्रकरणों की विवेचना में विभिन्न संबंधित एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नशे के कारोबार से अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान और उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने नारकोटिक्स की सप्लाई रिडक्शन, डिमांड रिडक्शन, हार्म रिडक्शन और रिहैबिलिटेशन के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

निगम एमआईसी बैठक में संशय

विश्व केसरी■

रायपुर। नगर निगम द्वारा भाटागांव सब्जी बाजार के व्यापारियों को बलपूर्वक हटाए जानें का मामला अभी शांत हुआ ही नहीं है और इसको लेकर फिर विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। दरअसल आज नगर निगम रायपुर की MIC की बैठक 1 बजे आयोजित होनी थी। जो अभी तक यानी शाम 4:50 बजे तक शुरू नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार, भाटागांव सब्जी बाजार में व्यापारियों को हटाने की कार्रवाई को लेकर महापौर और MIC सदस्यों की ओर से निगम अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई गई है। इसी वजह से बैठक शुरू होने में देरी की बात सामने आ रही है।

पितृ पक्ष के पावन अवसर पर सर्व समाज ने धनगांव में वीर सपूतों को दिया तर्पण

साधु-संतों से लेकर मंत्री और जनप्रतिनिधि हुए शामिल

विश्व केसरी■



बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल मुक्त होने के बाद प्रथम पितृ पक्ष के पावन अवसर पर बेमेतरा जिले के ग्राम धनगांव में 29 एवं 30 सितंबर 2026 को अमर बलिदानियों की स्मृति में एक विशाल श्रद्धांजलि सभा एवं तर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्व समाज की ओर से आयोजित इस ऐतिहासिक और भावपूर्ण दो दिवसीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के हमले अपने प्राणों की आहुति देने वाले 1399 वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शहीदों की आत्मा की शांति और उनके त्याग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए विशेष रूप से तर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीर जवानों की स्मृति में 24 घंटे का अखंड 'राम नाम यज्ञ' और महामंत्र का जाप किया गया। इस दौरान संपूर्ण धनगांव का वातावरण भक्ति, वैराग्य और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत रहा।

इसके साथ ही धनगांव में राज्यस्तरीय रामधुनी कार्यक्रम में पूरे छत्तीसगढ़ के अलग अलग जिलों से 150 से अधिक समितियों ने हिस्सा लिया। जिसमे सुतियापाठ कवर्धा को 1 लाख, कनहरपुर पंचरिया कवर्धा को 50 हजार फुटई नवागढ़ बेमेतरा को 31 हजार, मारिमापोटी धमतरी को 21 हजार एवं पिश पथरिया को 11 हजार रुपये से पुरुस्कृत किया गया।

छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं दक्षिण कौशल के पीठाधीश्वर महंत राजीव लोचन दास ने कहा कि बेमेतरा जिले का ग्राम धनगांव उनकी जन्मभूमि है और इस पुण्य धरा पर राष्ट्र रक्षकों का स्मरण करना अत्यंत गर्व और भावुकता का क्षण है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों से छत्तीसगढ़ महतारी की रक्षा के लिए देशभर के 1399 वीर सपूतों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। इन वीरों ने छत्तीसगढ़वासियों की सुख-शांति के लिए जो अपना सर्वस्व अर्पण किया है, उसके ऋण को कभी चुकाया नहीं जा सकता। इसलिए आज पूरा समाज एकजुट होकर पूरी कृतज्ञता के साथ उन वीर हुतात्माओं के लिए तर्पण का यह पुनीत कार्य कर रहा है।

विधानसभा समिति ने गर्ल्स हास्टल कालीबाड़ी का किया निरीक्षण

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी समिति के सभापति पुन्नूलाल मोहले के सभापतित्व में समिति ने जिला रायपुर के पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के गर्ल्स हॉस्टल शंकर नगर एवं पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति हॉस्टल, कालीबाड़ी का स्थल निरीक्षण किया।

समिति ने छात्रावासों के निरीक्षण के दौरान छात्राओं से चर्चा की एवं उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये तथा छात्रावासों में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया । चैतराम अटामी, रामकुमार यादव, शकुन्तला सिंह पोर्ते, यशोदा निलाम्बर वर्मा, विशेष आमंत्रित सदस्य सुनील सोनी, पुरन्दर मिश्रा एवं सचिव, छत्तीसगढ़ विधान सभा दिनेश शर्मा उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रं.मांक /355/ क/ वा-1 / तह. / 2025-26 बसना दिनांक 21/09/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका भगतराम ताण्डी पिता / पति मोहिनराम ताण्डी निवासी ग्राम /नगर जेवरा तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक / आवेदिका अपने स्वंय / पुत्र / पुत्री / माता / पिता /बड़े पिताजी भुरूवा ताण्डी का दिनांक 10/09/2026 को स्थान जेवरा में मृत्यु हुआ है। उक्त मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वंय बड़े पिता जी भुरूवा ताण्डी के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप / दावा हो अथवा आवेदन - पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वंय या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 05/10/2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 21/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बसना

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :- Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र /....35765..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 30-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35765
वार्ड का नाम 31-नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR328K00236** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **SMT. PREMLATA SHARMA W/O LATE RAMESH SHARMA, LALIT SHARMA S/O LT. RAMESH SHARMA** पिता / पति श्री श्रीमती **RAMESH SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती श्रीमती सुनीता जायसवाल पिता/पति श्री श्रीमती श्री शिव कुमार जायसवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :- Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र /....35799..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 30-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35799
वार्ड का नाम 47 - मदर टेरेसा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 47 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR342E00075** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **A R. RANJAN** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती सरला रंजन पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. ए आर. रंजन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/ SAHMATI PATRA SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA /** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :- Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र /....35766..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 30-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35766
वार्ड का नाम 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR344100027** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **ASHOK KUMAR** पिता / पति श्री श्रीमती **HARIRAM** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती उकेश टंडन पिता/पति श्री/श्रीमती खेमू टंडन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :- Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र /....35831..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 30-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35831
वार्ड का नाम 30- शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR331B00165** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAJEEV ANANT KALE** पिता / पति श्री/श्रीमती **ANANT GOVIND KALE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री संदीप वासुदेव भागवत पिता / पति श्री/श्रीमती पिता वासुदेव विनायक भागवत ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::- Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र /....35771..../ न. पा. नि. / जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 30-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35771
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR108E0438A** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **BABULAL SAHU** पिता / पति श्री श्रीमती **RATHHU RAM SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **LAXMI DEWANGAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SANJEEV DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::- Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र /....35802..../ न. पा. नि. / जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 30-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35802
वार्ड का नाम 4 यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR104J0276D** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VASANT MAVJI PATEL (HUF) KARTA VASANT PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती **MAVJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **RANJU DEVI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O KAILASH KUMAR SAH H** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 4) - : : प्रेस वलय, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर: : - Email ID - mczone4@gmail.com

पत्र क्र /....35670.... / न. पा. नि. जोन क्रं 42
दिनांक 30-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35670
वार्ड का नाम - 57 - भगवती चरण शुक्ला वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR448000011** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **M. YUSUF WAKIL** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती राशिदा नाहिक पिता / पति श्री/श्रीमती पति स्व. मोहम्मद यूसुफ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी 6 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी: शिवराज सिंह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश के करोड़ों अन्नदाताओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कैबिनेट बैठक में रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी 6 अनिवार्य फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए इसे देश के किसानों के हित में लिया गया ऐतिहासिक और क्रांतिकारी निर्णय बताया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की किसान हितैषी नीतियों, वैज्ञानिकों के शोध और किसानों के अथक परिश्रम से आज भारत खाद्यान्न सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा और पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है। एक जमाना था जब देश आयातित गेहूं (पीएल-480) पर निर्भर था, लेकिन आज देश के अन्न भंडार लबालब भरे हुए हैं। कृषि मंत्री ने रेखांकित किया कि देश की 46 प्रतिशत आबादी की आजीविका कृषि पर आधारित है और 86 प्रतिशत किसान छोटे व सीमांत हैं, इसलिए सरकार का मूल ध्येय केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा और लाभकारी मूल्य दिलाना है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार का स्पष्ट नीतिगत फैसला है कि किसानों को उनकी औसत उत्पादन लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत या उससे अधिक का लाभ मिलना चाहिए। इसी क्रम में रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए घोषित एमएसपी में अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत से लेकर 106 प्रतिशत तक का मार्जिन दिया गया है। इसमें किसानों को सबसे अधिक मार्जिन गेहूं पर 106 प्रतिशत, रेपसीड एवं सरसों पर 96 प्रतिशत और मसूर पर 92 प्रतिशत सुनिश्चित किया गया है, जिससे किसानों की शुद्ध आय में सीधा इजाफा होगा।

कैबिनेट निर्णय के अनुसार सभी 6 रबी फसलों की संशोधित एमएसपी दरें और वृद्धि इस प्रकार निर्धारित की गई हैं: ?कुसुम: सबसे अधिक 675 रुपए प्रति क्विंटल की भारी वृद्धि, नई एमएसपी 7,215 रुपए प्रति क्विंटल। ?रेपसीड एवं सरसों: 413 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 6,613 रुपए प्रति क्विंटल। ?मसूर 390 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 7,390 रुपए प्रति क्विंटल। ?जौ: 136 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 2,286 रुपए प्रति क्विंटल। चना : 83 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 5,958 रुपए प्रति क्विंटल। गेहूं : 25 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी, नई एमएसपी 2,610 रुपए प्रति क्विंटल।

चुनाव आयोग का फैसला- नए वोटरों को नहीं देनी होगी अतिरिक्त जानकारी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 को लेकर बड़ा फैसला लिया है। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि फॉर्म 6 के साथ अतिरिक्त डिक्लेरेशन की जरूरत नहीं है। अब नए वोटरों को अतिरिक्त जानकारी नहीं देनी होगी। कांग्रेस ने वोटर लिस्ट के एसआईआर प्रक्रिया में नए वोटरों को जोड़ने के लिए 'फॉर्म 6' से जुड़े बदलावों पर चिंता जताई थी। इस मुद्दे पर बवाल बढ़ने पर चुनाव आयोग ने अहम निर्णय लिया है। अब नए वोटरों को अतिरिक्त जानकारी नहीं देनी होगी।

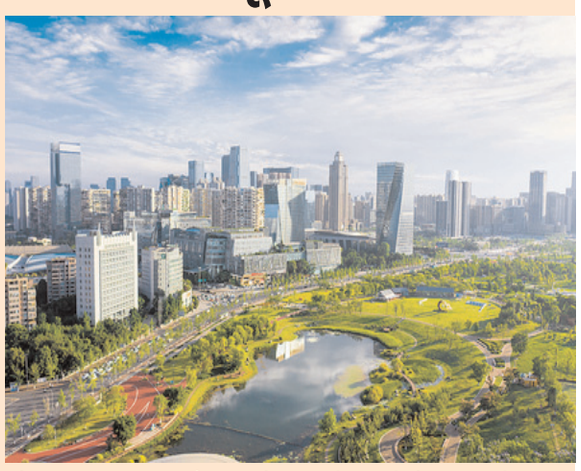
अब के तहत अतिरिक्त जानकारी देना जरूरी नहीं: ईसीआई

देश में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में फॉर्म-6 को लेकर मचे घमासान को लेकर चुनाव आयोग ने अहम फैसला लिया है। ईसीआई ने कहा कि अब उन राज्यों में नए वोटर बनने के लिए फॉर्म-6 के साथ अतिरिक्त घोषणा पत्र देना जरूरी नहीं होगा, जहां एसआईआर पूरा हो चुका है।

चुनाव आयोग ने ऑनलाइन फॉर्म 6 से इसे हटा दिया है।

शी चिनफिंग ने समावेशी और बुनियादी जनजीवन निर्माण की मजबूती पर बल दिया

विश्व केसरी■



बीजिंग। 1 अक्टूबर को प्रकाशित होने वाली चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय कमेटी की मुख पत्रिका छ्यूशी के 19वें अंक में समावेशी और बुनियादी जन-जीवन निर्माण की मजबूती पर राष्ट्रपति शी चिनफिंग का एक अहम आलेख जारी किया जाएगा।

शी चिनफिंग ने इस आलेख में बल दिया कि चीनी शैली वाले आधुनिकीकरण में जनजीवन सबसे महत्वपूर्ण है। बेहतर जीवन के प्रति जनता की आकांक्षा हमारे संघर्ष का लक्ष्य है। हमें विकास में जन जीवन के हितों को सुनिश्चित करना और सुधारना चाहिए।

शी ने कहा कि हमें जन केंद्रित रहकर समावेशी और बुनियादी जन जीवन निर्माण को मजबूत करना, सबसे व्यापक जनता के मूल हितों को पूरा करना, जनता के सवालों के समाधान पर जोर लगाना, बुनियादी सार्वजनिक सेवा व्यवस्था संपूर्ण बनाना और ठोस कदमों से समान समृद्धि बढ़ानी चाहिए।

इस आलेख में कहा गया कि आर्थिक विकास का मूल उद्देश्य जनजीवन की बेहतर गारंटी करना और उसका विकास करना है। जनजीवन की बेहतरी पर जोर लगाना तो विकास पर जोर लगाना है। हमें आर्थिक विकास और जनजीवन के सुधार को एकीकृत करना चाहिए।

तमिलनाडु के नागपट्टिनम में 11,424 एकड़ सांबा धान की फसल पर संकट

विश्व केसरी■



नागपट्टिनम। तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के थलैनायर क्षेत्र में पर्याप्त कावेरी जल नहीं मिलने से करीब 11,424 एकड़ में लगी सांबा धान की फसल संकट में है। किसानों का कहना है कि मेट्टूर बांध से पानी छोड़े जाने के करीब एक महीने बाद भी सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी खेतों तक नहीं पहुंचा है, जिससे हाल ही में बोए गए धान के बीज तेज गर्मी में सूख रहे हैं।

इन खेतों की सिंचाई मुख्य रूप से हरिचंद्र नदी पर निर्भर है। किसानों के मुताबिक करीब 20 दिन पहले बोए गए बीजों को अब तक पर्याप्त पानी नहीं मिला है। ऐसे में अगर अब पानी पहुंच भी जाता है तो केवल 50 से 60 फीसदी बीजों के ही अंकुरित होकर फसल बनने की संभावना है।

किसानों के अनुसार, घोषित जल छोड़ने की अवधि में अब करीब 15 दिन ही बाकी हैं। ऐसे में उन्हें इस साल दूसरी बार फसल बर्बाद होने का डर सता रहा है। इससे पहले पानी की कमी के कारण वे कुरुवई धान की फसल भी गंवा चुके हैं।

किसान रामनाथन एम. ने 16 एकड़ में मध्यम अवधि वाली धान की किस्मों की बुआई की है। उन्होंने कहा कि पानी नहीं मिलने के कारण खेतों में बोए गए बीज सूख गए हैं और अब खेत बंजर जमीन जैसे दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि थलैनायर और वेदारण्यम की ओर जाने वाली नदियों में भी बहुत कम मात्रा में पानी पहुंचा है, जबकि कई शाखा नहरें अभी भी सूखी पड़ी हैं।

मेट्टूर बांध को इस साल 1 सितंबर को खोला गया, जो सामान्य निर्धारित तारीख 12 जून से 81 दिन बाद है। सरकार की ओर से 45 दिनों तक पानी छोड़ने की घोषणा के बाद किसानों ने मध्यम अवधि वाली सांबा धान की किस्मों की सीधे बुआई शुरू की थी। हालांकि, किसानों का कहना है कि फसल तैयार करने के लिए 45 दिनों की जल आपूर्ति अवधि पर्याप्त नहीं है।

कम बारिश ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया है। खासकर जिले के अंतिम छोर वाले सिंचाई क्षेत्रों में पानी की भारी कमी बनी हुई है। किसानों का कहना है कि जिले तक केवल कुछ सौ क्यूसेक पानी ही पहुंच पाया है, जिससे थलैनायर क्षेत्र के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

पानी की कमी ने किसानों की आर्थिक मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं। किसानों ने बताया कि कुरुवई फसल के नुकसान के बाद सांबा की खेती शुरू करने के लिए उन्होंने निजी साहूकारों से कर्ज लिया था।

मंगलुरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स यूनिट में जोरदार धमाका, 8 लोग घायल

विश्व केसरी■



मंगलुरु। कर्नाटक के मंगलुरु स्थित मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) में बुधवार को जोरदार धमाके के बाद आग लग गई। हालांकि, आग पर काबू पा लिया गया है। पुलिस कमिश्नर सुधीर कुमार रेड्डी ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस कमिश्नर के अनुसार, इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें से एक की पहचान राजेश बैपटिस्ट के रूप में हुई है, जो घटना के समय प्लांट के अंदर मौजूद थे।

उनके शरीर का करीब 35 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया है। उन्हें इलाज के लिए श्रीनिवास अस्पताल में भर्ती कराया गया है और फिलहाल वह आईसीयू में हैं। डॉक्टरों ने बताया है कि वह खतरे से बाहर हैं।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पास के एक कार्यालय में मौजूद छह अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। उन्हें इलाज दिया गया और ओपीडी में उनकी जांच की गई। घटना के बाद पुलिस कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पुलिस कमिश्नर ने कहा, 'ज्यादा चिंता की कोई बात नहीं है। हम स्थिति को संभाल लेंगे।' स्थानीय लोगों के मुताबिक, एमआरपीएल परिसर में जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। इसके बाद आग की ऊंची लपटें और घना धुआं आसमान में उठता दिखाई दिया। घटना एमआरपीएल के फेज-3 प्लांट की कोकर हाइड्रो ट्रीटिंग यूनिट में हुई।

धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाकों के घरों में कंपन महसूस किया गया। कुछ नजदीकी घरों की खिड़कियों और दरवाजों के शीशे भी टूट गए जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

घायलों को तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया।

धमाके के बाद यूनिट के बॉयलर सेक्शन में आग लग गई और पूरे इलाके में घना धुआं फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही एमआरपीएल की फायर एंड इमरजेंसी सर्विस के कर्मचारी मौके पर पहुंचे।

'अफगानिस्तान में नागरिकों पर बमबारी, रिपोर्ट में खुली पाकिस्तान की पोल

विश्व केसरी■



काबुल/इस्लामाबाद। काबुल में अपनी मनमर्जी चलाने में नाकाम रहने के बाद पाकिस्तान ने अब अफगानिस्तान में सीधे तौर पर सैन्य ताकत दिखानी शुरू कर दी है। इस्लामाबाद न तो वहां की सरकार पर अपना प्रभाव जमा पा रहा है और न ही उसके पास कोई दूसरा ठोस विकल्प बचा है, जिसकी वजह से वह लगातार हवाई हमलों का सहारा ले रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बदलाव इस बात को रेखांकित करता है कि रणनीतिक गहराई का सिद्धांत किस हद तक ध्वस्त हो गया है, और पाकिस्तान अब उसी तालिबान की जीत को अस्थिर करने के तरीके खोज रहा है, जिसका उसने कभी जश्न मनाया था।

'पारहेशिया न्यूज' में एक रिपोर्ट में बताया गया, 'यूएनएएमए ने एक बार फिर अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों के बाद नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। कुनार में सितंबर के हमलों में एक पुरुष, एक महिला और एक बच्ची मारे गए। इस्लामाबाद ने घोषणा की थी कि उसने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया है और टीटीपी लड़ाकों को मारा है। उन लड़ाकों की पहचान स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं की गई है, जबकि नागरिकों की पहचान, हमेशा की तरह, अब नाम, परिवार और मरने की जगह के साथ हुई है। यह पाकिस्तान के अफगान युद्ध में बार-बार होने वाला असंतुलन बनता जा रहा है: सेना अपने लक्ष्यों की घोषणा करती है, जबकि दूसरे उसके द्वारा मारे गए लोगों का दस्तावेजीकरण करते हैं। इसके अनुसार, सितंबर के हमले कोई अलग-थलग घटना नहीं थे। पाकिस्तानी अभियानों में बार-बार अफगान नागरिकों की मौत हुई है, चाहे वह सीमावर्ती प्रांत हों या काबुल में ओमेद नशा पुनर्वास केंद्र।

पाकिस्तान भले ही यह दावा करे कि उसके हमले आतंकियों पर थे, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है।

कैबिनेट ने बीईएसएस के साथ इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के विकास के लिए ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III योजना को मंजूरी दी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III' (जीईसी-III) योजना को मंजूरी दे दी है। यह पहल भारत के इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएनएसटीएस) को मजबूत करेगी, जिससे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच 135 गीगावाट तक की रिन्यूएबल एनर्जी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाना संभव हो सकेगा।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह योजना ग्रिड की फ्लेक्सिबिलिटी सुनिश्चित करने, रुक-रुक कर होने वाली आपूर्ति, कंजेशन, पीक-आवर में कटौती जैसी समस्याओं से निपटने और सौर ऊर्जा उपलब्ध न होने के समय में मांग को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर/उत्पादक स्तर या अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर 50 गीगावाट-घंटा के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) की स्थापना का प्रावधान भी करती है।

यह योजना भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर ग्रिड इंटीग्रेशन और पावर इवैक्यूएशन को सुगम बनाएगी।

बयान में आगे कहा कि इस योजना के वित्तीय वर्ष 2032-33 तक स्थापित किए जाने का लक्ष्य है, जिसकी कुल परियोजना लागत 1,86,405 करोड़ रुपए है। इसमें जीईसी-III के तहत इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएनएसटीएस) के विकास के लिए 1,36,378 करोड़ रुपए और 50 गीगावाट-घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के लिए 50,000 करोड़ रुपए शामिल हैं। इस योजना में कुल 54,082 करोड़ रुपए की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल है।

केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) से इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन चार्ज को कम करने में मदद करेगी और बिजली की लागत को नियंत्रण में रखेगी। इस प्रकार, सरकार की यह मदद अंतत: अंतिम उपभोक्ताओं यानी भारत के नागरिकों को लाभान्वित करेगी।

आईएनएसटीएस कंपोनेंट के अंतर्गत आने वाली सभी ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा।

बिहार की बाघिन को एयरलिफ्ट करके बंगाल लाया गया

विश्व केसरी■



कोलकाता। बिहार के 'वाल्मीकि बाघ अभ्यारण्य' से तीन वर्षीय बाघिन को बुधवार सुबह उत्तरी बंगाल के हासिमारा वायुसेना स्टेशन ले जाया गया। यह राज्य के 'बक्सा बाघ अभ्यारण्य' में बाघों की आबादी को बहाल करने के महत्वाकांक्षी प्रयास का हिस्सा है।

एक सप्ताह तक चले खोज अभियान के बाद पकड़ी गई बाघिन को गोरखपुर हवाई अड्डे से विशेष रूप से डिजाइन किए गए पिंजरे में पूर्ण चिकित्सा सहायता के साथ लाया गया। भारतीय वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर ने बाघिन को हासिमारा पहुंचाया, जहां वह सुबह लगभग 4:45 बजे उतरी।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लगभग 70 बाघ बचाव कर्मियों की एक टीम खराब मौसम के बावजूद कई दिनों से वाल्मीकि बाघ अभ्यारण्य में बाघिन की तलाश कर रही थी। मंगलवार को सूर्यास्त से पहले उसे अंतत: स्लीपर डार्ट्स से बेहोश कर दिया गया।

बाघिन को पकड़ने के बाद, बिहार के चंपारण जिले में स्थित वाल्मीकि बाघ अभ्यारण्य से लगभग 125 किलोमीटर दूर गोरखपुर हवाई अड्डे तक सड़क मार्ग से ले जाने से पहले उसकी स्वास्थ्य जांच की गई। हवाई मार्ग से ले जाने के बाद, हासिमारा में दो वन्यजीव पशु चिकित्सकों और बाघ विशेषज्ञों ने एक घंटे से अधिक समय तक उसके शारीरिक मापदंडों की जांच की। इसके बाद बाघिन को सड़क मार्ग से हासिमारा से लगभग 37 किलोमीटर दूर स्थित बक्सा बाघ अभ्यारण्य ले जाया गया। सुचारू स्थानांतरण सुनिश्चित करने के लिए मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी।

संपादकीय

'रक्त, विकल्परहित एक अमूल्य उपहार'



लायन डॉ. अरविन्द नेरल

01अक्टूबर - स्वैच्छिक रक्तदान दिवस

मेरा खून जिसमें मिली हुई
वो हरारत है
जिसने बखूशी है हमेशा
इंसानियत को ताकत
मेरा खून मेरे बदन में
इसलिये आज भी
गर्दिश कर रहा है कि
मैं अपने पुर्खों की अमानत
किसी ऐसे इंसान के बदन में
मुस्कुराकर उड़ेलूं
जो उस खून को
नस्ल-दर-नस्ल आगे बढ़ाये
कयामत तक हर इंसान मुस्कुराये
मेरे खून का
इससे बेहतर कोई उपयोग नहीं
मेरा खून जितनी भी मिकदार में चाहिये
आप ले लें।

हमारे शरीर में प्रवाहित होने वाले रक्त पर केवल हमारा ही हक़ नहीं है। हमारे जिस्म में, यह खुदा की बेशकीमती अमानत है। हम जितना इसका दान करते हैं औरों के लिये, उतना कुछ ही समय में हमारे शरीर में फिर से बन जाता है। हम तो केवल जरिया हैं। इसें यूँ भी कह सकते हैं कि यदि हम समय-समय पर रक्तदान न करें, तो ये माना जायेगा कि हम अपने रक्त का सही इस्तेमाल करने से चूक रहे हैं। किसी जरूरतमंद मरीज को देने के लिये यह एक बेजोड़ और बेशकीमती तोहफा है, जिसका इस्तेमाल आप बार-बार कर सकते हैं। किसी की जान बचाने के लिये आपका डॉक्टर, तैराक, फौजी या सुपर हीरो होना ही जरूरी नहीं। एक सामान्य नागरिक के सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुये रक्तदान कर भी आप लोगों की जान बचा सकते हैं।

जिस मरीज को रक्त की आवश्कता है, उसके लिये आपका रक्त अमूल्य उपहार है। रक्त आपके हृदय का हिस्सा होता है, जिसे देकर आप इस बात की खुशी पा सकते हैं, जैसे आपके हृदय का कोई हिस्सा मरीज



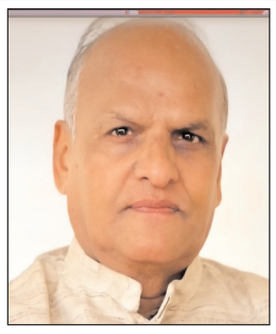
का बनकर उसे नई ज़िंदगी दे रहा है। रक्त आज भी ऐसी वस्तु है, जिसे किसी अन्य स्त्रोतों से नहीं प्राप्त किया जा सकता, इसे न तो कारखाने में बनाया जा सकता है और नहीं खेतों में उगाया। आपका खून मात्र ही मरीज के खून का विकल्प हो सकता है। यकीन जानिये, रक्तदान से आपको वह ज़हनी सुकून मिलेगा,जिसे आप कहीं और से प्राप्त नहीं कर सकते। बस एक सुई की चुभन का दर्द सहने की इच्छाशक्ति हो तो आप किसी की जान बचा सकते हैं। आईये संकल्प लें, कि किसी भी मरीज की मौत खून न मिलने के कारण नहीं होने देंगे।

'सिर्फ रगों में बहने के कायल नहीं हैं हम, जो
औरों के काम आये लहू उसे कहते हैं।'

कोई भी व्यक्ति, जो 18 से 65 वर्ष की उम्र का हो, चाहे महिला हो या पुरूष, यदि सामान्यत: स्वस्थ हो, तो बेझिझक रक्तदान कर सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में औसतन 5000 मि.ली. खून लगातार प्रवाहित होता रहता है। रक्तदान के समय इसमें से मात्र 350 मि.ली. (1 यूनिट) ही निकाला जाता है। इतनी कम मात्रा में खून निकालने से रक्तदाता को लेशमात्र भी परेशानी नहीं होती है। रक्तदान में मात्र 5 से 10 मिनट का समय लगता है और इसके पश्चात् व्यक्ति अपने सभी नियमित कार्य यथावत कर सकता है। उसे न तो किसी तरह के अतिरिक्त पौष्टिक आहार की जरूरत होती है, न ही विशेष व्यायाम या आराम की। प्रतिक्रिया स्वरूप हमारा शरीर दिये गये रक्त का पुर्ननिर्माण कुछ ही दिनों में कर लेता है। शरीर से थोड़ी मात्रा में रक्त निकालने से हमारे अस्थियों में स्थित लाल अस्थिमज्जा (जहां सामान्यत: रक्त का निर्माण होता है), को एक उत्प्रेरणा मिलती है और वह शरीर से निकाले गये रक्त की क्षतिपूर्ति स्वयं ही कर लेता है। अत: जितना खून रक्तदान में दिया जाता है, इसकी भरपाई नये ताजे खून से अपने आप ही हो जाती है। दूसरे शब्दों में यूं कहें कि बिना कुछ दिये ही हम किसी की जान बचा सकते हैं।

'मौका दीजिए अपने खून को किसी के रगों में बहने का लाजवाब तरीका है ये कई जिस्मों में ज़िंदा रहने का' प्रत्येक मिनट, दुनिया में कहीं न कहीं रक्त की जरूरत होती है।

चुनाव आयोग की साख और विपक्ष के सवाल: एक विमर्श



गिरीश पंकज

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग एक ऐसी आधारशिला है, जिस पर देश की विशाल चुनावी व्यवस्था और जनता के मताधिकार की पवित्रता टिकी हुई है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्थापित यह संस्था स्वायत्तता, निष्पक्षता और तटस्थता की मिसाल रही है। हालांकि, पिछले कुछ समय से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों के नेतृत्व वाली इस संवैधानिक संस्था की कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक गलियारों में एक तीखी बहस छिड़ी हुई है। विपक्ष ने तो सर्वोच्च न्यायालय में आयोग के खिलाफ याचिका भी दायर कर दी है। विपक्ष लगातार आयोग की निष्पक्षता पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है, तो वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग और सत्ता पक्ष का स्पष्ट मानना है कि पूरी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, कानून-सम्मत और निष्पक्ष है। यह विवाद भारतीय लोकतंत्र के दो ध्रुवों,संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता बनाम राजनीतिक दलों के जवाबदेही के दावों के बीच एक गंभीर मंथन का विषय बन गया है।

भारतीय चुनाव आयोग ने दशकों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की परंपरा को कायम रखा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि उसकी हर कार्रवाई संविधान और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के दायरे में होती है।

आयोग का तर्क है कि संस्था किसी भी राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करती है। चुनाव के दौरान सुरक्षा बलों की तैनाती, आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा और समय-समय पर होने वाले मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे कार्य यह साबित करते हैं कि आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है.वर्तमान विवाद का एक बड़ा केंद्र मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एस आई आर और उससे जुड़े आंकड़े हैं। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य 'इंडिया' गठबंधन के दल, लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया जा रहा है।

सोशल मीडिया के इस दौर में वर्तमान सत्ता से नाखुश लोग चुनाव आयोग को लगातार लांछित कर रहे हैं । भाजपा पर तो तथाकथित वोट चोरी का आरोपी निरंतर लग रहा है । जबकि तटस्थ लोगों का यह मानना है कि वोट चोरी असंभव है क्योंकि विपक्ष के प्रत्याशी भी पिछले अनेक चुनाव में कहीं-न-कहीं से विजयी होते रहे हैं । अगर बीजेपी वोट चोरी करने की कला जानती तो पिछले चुनाव में वह अयोध्या लोकसभा की सीट नहीं हार सकती थी। विपक्ष का मुख्य तर्क है कि मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम सुनियोजित तरीके से हटाए जा रहे हैं, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी प्रभावित होती है, विपक्षी दलों का आरोप है कि उन्हें और जनता को पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े पुख्ता और विस्तृत आंकड़े मुहैया नहीं कराए जा रहे हैं। विपक्ष का यह भी दावा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में वह सख्ती नजर नहीं आती जो सत्ता पक्ष के खिलाफ कार्रवाई के लिए जरूरी है। सोचने वाली बात यह है कि मतदाता सूची से नाम हटाने का लाभ किसे मिलेगा क्या बीजेपी कोऐसे में तो उसे घाटा होगा। लेकिन आश्चर्य है कि विपक्ष है इस बात को समझ ही नहीं रहा है । जितने अधिक मतदाता बढ़ेंगे,उतना अधिक लाभ भाजपा को ही होगा। जो नाम कट रहे हैं,वह स्वाभाविक रूप से कट रहे हैं. मतदाता पुनरपरीक्षण तो होना ही चाहिए । पिछले कुछ वर्षों में न जाने कितने लोगों की मृत्यु हो चुकी है । विभिन्न शहरों के अनेक मतदाता कामकाज के सिलसिले में दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं, इन सब का परीक्षण करके देशव्यापी मतदाता सूची को दुरुस्त करना जरूरी है । आयोग और सत्ता पक्ष ने विपक्ष के सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। आयोग का स्पष्ट रुख रहा है कि मतदाता सूची को त्रुटिहीन, शुद्ध और पारदर्शी बनाने के लिए पुनरीक्षण एक नियमित और वैधानिक प्रक्रिया है। इन पंक्तियों के लेखक का भी विश्वास है कि चुनाव आयोग पूरी ईमानदारी के साथ अपना काम कर रहा है। इसके पहले भी आयोग अपनी भूमिका अदा करता रहा है। जिन मतदाताओं का अब दुनिया में अस्तित्व नहीं है, उनकी छंटनी तो जरूरी है। आयोग के अनुसार, मृत, स्थानांतरित और दोहरे मतदाताओं के नाम हटाना कानूनन अनिवार्य है ताकि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनी रहे। सत्ता पक्ष का यह भी कहना है कि जब भी चुनाव परिणाम विपक्ष के पक्ष में नहीं आते, तब-तब संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर बेवजह सवाल उठाकर उनकी साख को धूमिल करने का प्रयास किया जाता है।



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल के दौरान राजनीतिक टकराव उस वक्त और बढ़ गया, जब विपक्षी सांसदों ने संसद से लेकर चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकाला और मुखर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त को केंद्र में रखकर उनकी कार्यशैली पर उंगलियाँ उठा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब एक ओर विपक्ष 'एक व्यक्ति, एक वोट' और संविधान की रक्षा का हवाला देकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर रहा है, वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग के लिए यह संतुलन बनाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है कि वह राजनीतिक आलोचनाओं से अप्रभावित रहकर अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उसके सभी निर्णय सामूहिक सहमति और वैधानिक प्रावधानों के आधार पर लिए जाते हैं, न कि किसी के व्यक्तिगत दबाव में।

समाधान तो बहुत ज़रूरी है

किसी भी जीवंत लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन जब ये मतभेद सीधे चुनाव आयोग जैसी सर्वोच्च स्वतंत्र संस्थाओं पर आक्षेप तक पहुंच जाते हैं, तो यह लोकतांत्रिक परिपक्वता के लिए एक आत्ममंथन का विषय बन जाता है। लोकतंत्र की सेहत के लिए यह आवश्यक है कि चुनाव आयोग जैसे निकाय पूरी तरह स्वतंत्र दिखें भी और कार्य करें भी। आयोग और राजनीतिक दलों के बीच संवाद का सेतु मजबूत होना चाहिए। यदि किसी दल को मतदाता सूची या किसी अन्य प्रक्रिया पर संदेह है, तो साक्ष्यों के आधार पर उसका समयबद्ध समाधान निकाला जाना चाहिए। भारत में चुनावी विवादों और संस्थागत फैसलों की समीक्षा के लिए न्यायपालिका का दरवाजा हमेशा खुला रहता है। यदि किसी पक्ष को प्रक्रिया में कोई कानूनी खामी नजर आती है, तो उसका समाधान अदालती दायरे में ही खोजा जाना लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

बहरहाल,चुनाव आयोग की साफ-सुथरी छवि और उसकी निष्पक्षता पर उठ रहे सवाल केवल एक व्यक्ति या एक आयोग की नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख से जुड़े हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके सहयोगियों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी पारदर्शी कार्यशैली और ठोस निर्णयों के जरिए न केवल कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर खरे उतरें, बल्कि राजनीतिक दलों के मन में उपजे अविश्वास के बादलों को भी पूरी तरह दूर करें। लोकतंत्र तभी अपनी पूरी खूबसूरती के साथ जीवित रह सकता है जब जनता का और हर राजनीतिक दल का देश की चुनाव प्रणाली पर अटूट विश्वास बना रहे।

मो. 9425212720

वृद्धजन: हमारे संस्कारों की जीवंत पाठशाला



वसुंधरा धर्माणी

जीवन एक ऐसा चक्र है, जिसमें समय के साथ-साथ भूमिकाएँ भी बदलती रहती हैं। कभी माता-पिता बच्चों की उँगली पकड़कर उन्हें चलना सिखाते हैं, उनकी हर आवश्यकता का ध्यान रखते हैं और उनके सपनों को पूरा करने के लिए अपने अरमानों तक का त्याग कर देते हैं। फिर एक समय ऐसा भी आता है, जब यही माता-पिता उम्र के उस पड़ाव पर पहुँच जाते हैं, जहां उन्हें अपनों के समय, सहयोग और संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है। विडंबना यह है कि कई बार जीवन भर परिवार के लिए समर्पित रहने वाले ये वृद्धजन अपने ही घर में अकेलेपन और उपेक्षा का अनुभव करने लगते हैं। 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' हमें इसी बदलती सामाजिक वास्तविकता पर गंभीरता से विचार करने का अवसर देता है।

प्रत्येक वर्ष 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मान देना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वृद्धावस्था से जुड़ी चुनौतियों पर समाज का ध्यान आकर्षित करना है, किंतु प्रश्न यह भी है कि क्या बुजुर्गों के सम्मान के लिए एक दिन निर्धारित कर देना पर्याप्त है? क्या हमारी ज़िम्मेदारी केवल समारोहों ,भाषणों और शुभकामना संदेशों तक सीमित रहनी चाहिए? निस्संदेह, किसी भी समाज की वास्तविक संवेदनशीलता का परिचय इस बात से मिलता है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ दैनिक जीवन में कैसा व्यवहार करता है?

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम है-- 'दीर्घायु का युग: लंबा जीवन जीने के लिए व्यवस्थाओं पर नए सिरे से विचार।' इस वर्ष की थीम बढ़ती जीवन प्रत्याशा के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन, आवास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर केंद्रित है।

आज के वरिष्ठ जनों ने अपने जीवन में अनेक संघर्षों का सामना किया है। सीमित संसाधनों, कठिन परिस्थितियों और सामाजिक चुनौतियों के बीच उन्होंने अपने परिवारों को संभाला, बच्चों की शिक्षा के लिए उम्दा प्रयास किये और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य का सपना देखा। माता-पिता ने अपनी इच्छाओं को पीछे रखकर बच्चों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी। परिवार की खुशियों के लिए किए गए उनके त्याग का हिसाब किसी आर्थिक पैमाने से नहीं लगाया जा सकता, लेकिन समय के साथ जब उनकी कार्य क्षमता कम होने लगती है, तब कभी-कभी उनका अनुभव भी परिवार की नजरों में अपना महत्व खोने लगता है। जो पिता कभी परिवार का सबसे बड़ा निर्णायक हुआ करता था, उसकी राय को अनदेखा किया जाने लगता है। जो माँ पूरे घर की धुरी हुआ करती थीं, उसकी भावनाओं और जरूरतों को सामान्य मानकर टाल दिया जाता है। यह स्थिति आत्म मंथन की मांग करती है आखिर क्यों हम अपने बुजुर्गों के योगदान को तब तक याद रखते हैं, जब तक हमें उनसे किसी प्रकार की सहायता मिलती रहती है? क्या व्यक्ति का महत्व उसकी कमाई, शारीरिक क्षमता और उपयोगिता से ही निर्धारित होना चाहिए? यदि ऐसा है, तो हमें अपने सामाजिक मूल्यों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

आधुनिक जीवन में शिक्षा, रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में युवाओं को अपने घरों से दूर जाना स्वाभाविक है। एकल परिवारों का बढ़ता चलन भी सामाजिक संरचना में बदलाव का संकेत है। इस परिवर्तन को केवल नकारात्मक दृष्टि से नहीं देखा जा सकता, लेकिन इसके साथ बुजुर्गों की भावनात्मक आवश्यकताओं की अनदेखी भी गंभीर समस्या बन रही है। आज अनेक वरिष्ठ नागरिक ऐसे हैं, जिनके बच्चे दूसरे शहरों या देशों में रहते हैं। फोन पर बातचीत और कभी कभार होने वाली मुलाकातें, संबंधों को बनाए रखने में सहायक आवश्यक हैं, लेकिन वह हमेशा साथ बैठने, मन की बात कहने और कठिन समय में किसी अपने की उपस्थिति का विकल्प नहीं बन पातीं।

बोध कथा

सफलता का श्रेय

सफलता का श्रेय किसे इस प्रश्न पर एक दिन विवाद उठ खड़ा हुआ। 'संकल्प' ने अपने को,'बल' ने अपने को और 'बुद्धि' ने अपने को अधिक महत्त्वपूर्ण बताया। तीनों अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए थे। अंत में तय हुआ कि 'विवेक' को पंच बना इस झगड़े का फैसला कराया जाए।तीनों को साथ लेकर विवेक चल पड़ा। उसने एक हाथ में लोहे की टेढ़ी कील ली और दूसरे में हथौड़ा। चलते-चलते वे लोग ऐसे स्थान पर पहुँचे जहाँ एक सुंदर बालक खेल रहा था। विवेक ने बालक से कहा-बेटा इस टेढ़ी कील को अगर तुम हथौड़ा से ठोक कर सीधी कर दो तो मैं तुमको भरपेट मिठाई और खिलौने से भरी एक पिटारी भी दूँ।'' बालक की आँखें चमक उठीं। वह बड़ी आशा और उत्साह से प्रयत्न करने लगा। पर कील को सीधा कर सकना दूर उससे हथौड़ा उठा तक नहीं। भारी औजार उठाने के लायक उसके हाथों में बल नहीं था।

बहुत प्रयत्न करने पर सफलता न मिली तो बालक खिन्न होकर चला गया। इससे उन लोगों ने निष्कर्ष निकाला कि सफलता प्राप्त करने को अकेला 'संकल्प' अपर्याप्त है।चारों आगे बढ़े तो थोड़ी दूर जाने पर एक श्रमिक दिखाई दिया। वह खर्राटे लेता हुआ सो रहा था। विवेक ने उसे झकझोर कर जगाया और कहा-इस कील को हथौड़ी मारकर सीधा कर दो मैं तुम्हें दस रुपया दूँगा।'' उनींदी आँखों से श्रमिक ने कुछ प्रयत्न भी किया,पर वह नींद की खुमारी में बना रहा। उसने हथौड़ा एक ओर रख दिया और वहीं लेट फिर खर्राटे भरने लगा। निष्कर्ष निकला कि अकेला 'बल' भी काफी नहीं है। सामर्थ्य रखते हुए भी संकल्प न होने से श्रमिक जब कील को सीधा न कर सका तो इसके सिवाय और क्या कहा जा सकता था। विवेक ने कहा कि हमें लौट चलना चाहिए,क्योंकि जिस बात को हम जानना चाहते थे वह मालूम पड़ गई। संकल्प,बल और बुद्धि का सम्मिलित रूप ही सफलता का श्रेय प्राप्त कर सकता है। एकाकी रूप में आप लोग तीनों अधूरे-अपूर्ण हैं।

कविता

कुदाल से कलम के गीत गाते पिता



गोलेन्द्र पटेल

पिता अगर जीवन के
स्वर हैं,
माँ उसकी लय हैं,
वे दोनों संघर्षमय
जीवन में
मानवता की जय हैं।

पिता ने उँगली थाम मुझे
शिक्षा-पथ दिखलाया,
गिरकर उठना, लड़कर
बढ़ना,
स्वाभिमान सिखलाया।
पसीने से सींचे अरमान,
आँसू से अक्षर जगाए हैं,
मेरे लिए वे कुदाल से
कलम के गीत गाए हैं।
छाले वाली हथेली में
भविष्य हमारा था,
उनकी हर खामोशी में
संघर्षों का नारा था।
जाति-भेद की दीवारों से
टकराना सिखलाया,
अन्यायों के सम्मुख
सिर न झुकाना सिखलाया।
ज्ञान को हथियार बनाकर
आगे बढ़ते जाना,
समता, स्वतंत्रता, बंधुता,
न्याय का दीप जलाना।
मन समर्पित, कर्म समर्पित,
मानव-मुक्ति को अर्पित,
पिता! आपके त्याग से
मेरा राग है लोकार्पित।
आपने धूप स्वयं ओढ़कर
मेरे लिए राह बनाई,
आपके श्रम ने चेतना में
नई उम्मीद जगाई।

व्यंग्य केसरी

गणेश जी का दर्द न जाने कोय



बेबाक बनारसी

गणेश उत्सव का वह पावन अवसर समाप्त हो चुका था. सभी देवी-देवता अपने-अपने लोक लौट चुके थे और भगवान गणेश भी कैलाश या मोददपुर में अपने विश्राम कक्ष में विराजे थे। ?लेकिन इस बार बप्पा के लौटने का अंदाज़ कुछ अलग था। वे अपने दोनों चौड़े-चौड़े हाथों से अपने बड़े-बड़े कानों को ज़ोर से दबाए हुए थे और दर्द से कराहते हुए एक कोने में दुबक कर बैठे थे। उनकी इस विचित्र और दयनीय स्थिति को देखकर देवलोक के अन्य देवता, जिनमें देवर्षि नारद, भगवान विष्णु और भगवान शिव भी शामिल थे, चिंतित होकर उनके पास आए। भगवान शिव ने बड़े स्नेह से गणेश जी के कंधे पर हाथ रखा और पूछा, 'पुत्र गजानन! क्या बात है विसर्जन तो शांतिपूर्वक संपन्न हो गया, फिर यह कैसी व्यथा क्या तुम्हारे इन विशाल कानों में कोई भयंकर दर्द या पीड़ा हो रही है

गणेश जी ने दर्द से कराहते हुए अपना एक हाथ कान से हटाया और भारी आवाज़ में बोले, 'पिताजी और देवगण! कान में दर्द नहीं हो रहा है, बल्कि मेरे कान पक चुके हैं! इस बार धरती के भक्तों ने जो मेरा सत्कार किया है, उसने मेरी सहनशक्ति की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।'

देवर्षि नारद ने अपनी वीणा के तार को थामते हुए उत्सुकता से पूछा, 'प्रभो! धरती पर तो आपके प्रति अगाध प्रेम और भक्ति उमड़ती है। तरह-तरह की सुंदर झांकियां सजती हैं, फिर ऐसी क्या आपदा आ गई'

गणेश जी लंबी सांस लेते हुए बोले, 'अरे नारद जी, प्रेम अपनी जगह है, लेकिन अति हर चीज़ की बुरी होती है। इस बार देश भर के भक्त जनों ने मेरी ऐसी-ऐसी चित्र-विचित्र झांकियां बनाईं कि उन्हें देखकर मेरी अपनी ही मूरत मुझसे शरमा गई। कहीं मुझे आधुनिक सुपरहीरो के रूप में दिखाया गया, तो कहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीक से लैस किसी रोबोट की तरह पंडाल में खड़ा कर दिया गया। किसी ने मुझे अंतरिक्ष यात्री बना दिया, तो किसी ने पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए पूरी तरह प्लास्टिक और कबाड़ से मेरा ढांचा खड़ा कर दिया। मैं तो विघ्नहर्ता हूँ, लेकिन इन कलाकारों ने मेरी कला का ऐसा विच्छेदन किया कि मैं खुद असमंजस में पड़ गया कि मैं भगवान हूँ या कोई आधुनिक जीव ! सुबह से लेकर आधी रात तक पंडाल के बाहर बड़े-बड़े साउंड बॉक्स रख दिए जाते थे। उन पर ऐसे-ऐसे कर्णछेदी और बेसुरा संगीत बजाए जाते थे कि धरती क्या, पाताल तक के जीव कांप उठें। अब तो मुझे ऐसा लगता है कि कहीं मैं सचमुच बहरा न हो जाऊं!'

नारद जी ने हंसते हुए कहा, 'महाराज, ज़माने के साथ डीजे और लाउडस्पीकर का क्रेज बढ़ गया है, अब भक्त इसी तरह अपनी खुशी ज़ाहिर करते हैं।'

गणेश जी ने सिर पकड़ते हुए कहा, 'ऐसी खुशी से तो भगवान ही बचाए! अगले साल जब मैं आऊँगा, तो धरती के भक्तों के लिए एक कड़ा संदेश भेजूंगा,झांकियां भले ही श्रद्धा से बनाओ, लेकिन कानों की सुरक्षा का भी ध्यान रखो।

इतिहास

1 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय दिवसों से जुड़ा है।

भारत और विश्व की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1854: भारत में पहली बार डाक टिकट का प्रचलन आरंभ हुआ, जिसकी कीमत आधा आना (1/32 रुपये) थी और इस पर महारानी विक्टोरिया का चित्र था।

1949: चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन की शुरुआत हुई और माओ त्से-तुंग ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की घोषणा की।

1953: भाषा के आधार पर गठित होने वाला देश का पहला राज्य आंध्र प्रदेश (आंध्र राज्य के रूप में) वजूद में आया।

ज़ 1967: भारतीय पर्यटन विकास निगम की स्थापना की गई।

बलरामपुर तहसील परिसर में ग्रामीणों से अवैधानिक वसूली पर उठ रहे सवाल

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। बलरामपुर तहसील कार्यालय में व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि तहसील परिसर में दस्तावेज लेखक (डीड राइटर) का निर्धारित शुल्क बोर्ड तक प्रदर्शित नहीं किया गया है, जबकि अनाधिकृत लोग खुलेआम बैठकर आवेदन, शपथ पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार करने के नाम पर मनमानी रकम वसूल रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले भोले-भाले ग्रामीण इस कथित अव्यवस्था और दलाली का सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं।



ग्रामीणों का कहना है कि तहसील परिसर में बैठे कई अनाधिकृत व्यक्ति स्वयं को जानकार बताकर आवेदन लिखने, शपथ पत्र तैयार कराने तथा अन्य दस्तावेजी कार्यों के लिए तय शुल्क से कई गुना अधिक राशि मांगते हैं। आरोप है कि स्टाम्प पर शपथ पत्र तैयार करने के नाम पर भी लोगों से मोटी रकम वसूली जा रही है, जबकि आम नागरिकों को वास्तविक सरकारी शुल्क की जानकारी नहीं होने का फायदा उठाया जा रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि तहसील कार्यालय में दस्तावेज लेखकों की अधिकृत शुल्क सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जानी चाहिए, तो अब तक उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? इससे आम लोगों को सही शुल्क की जानकारी नहीं मिल पा रही है और कथित रूप से अवैध वसूली का रास्ता खुला हुआ है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि तहसील परिसर में अनाधिकृत दलाल खुलेआम बैठकर लोगों को अपने पास बुलाते हैं और सरकारी कार्य शीघ्र कराने का भरोसा देकर अतिरिक्त पैसे वसूलते हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ तहसील कार्यालय परिसर में ही होने के बावजूद इस पर प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तहसीलदार के कार्यालय के आसपास ही यह कथित गोरखधंधा लंबे समय से संचालित हो रहा है, लेकिन इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तहसील परिसर में बैठने वाले सभी अनाधिकृत व्यक्तियों की जांच कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए, दस्तावेज लेखकों की अधिकृत शुल्क सूची प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित की जाए तथा स्टाम्प एवं शपथ पत्र के नाम पर हो रही कथित अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के प्रयासों से सड़क निर्माण के लिए 9.60 करोड़ रुपये की स्वीकृति

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती जिले के बलौदा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सिवनी से सुखरी कला तक सड़क निर्माण के लिए 9 करोड़ 60 लाख 31 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। यह स्वीकृति नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत जी के प्रयासों से मिलने की जानकारी जिला प्रतिनिधि ठाकुर गुलजार सिंह ने दी।

छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी 18 सितंबर 2026 के शासकीय आदेश के अनुसार, सिवनी से सुखरी कला मार्ग पर 4.46 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य के लिए कुल 960.31 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। आदेश में वित्त विभाग की सहमति का भी उल्लेख है।

इस सड़क निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। सड़क बनने से स्थानीय लोगों को आने-जाने में सहूलियत मिलेगी तथा क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। शासन ने निर्माण कार्य शुरू करने से पहले तकनीकी स्वीकृति, आवश्यक अनुमोदन और नियमानुसार निविदा प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने पर जोर दिया गया है। जिला प्रतिनिधि ठाकुर गुलजार सिंह के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत जी के प्रयासों से क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए यह महत्वपूर्ण स्वीकृति प्राप्त हुई है।

जिला स्तरीय मैराथन दौड़ का सफल आयोजन

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती जिले में स्वास्थ्य, फिटनेस और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सेवा संकल्प अभियान : 2026' के अंतर्गत एक भव्य जिला स्तरीय मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस विशेष आयोजन में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी), जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सहित विभिन्न स्थानीय जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी और छात्र-छात्राएं एवं काफी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 12 में नेवता भोज

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। राष्ट्रीय पोषण माह सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शिवरीनारायण स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 12 में आंगन मिलन सेवा के तहत नेवता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती माताओं की गोद भराई, शिशुवती माताओं के बच्चों का अन्नप्राशन तथा आंगनबाड़ी आने वाले बच्चों को नेवता भोज कराया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला कार्यकारिणी सदस्य सविता तिवारी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सह संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ प्रवीण केशरवानी ने की। इस अवसर पर एएनएम संतोषी बर्मन, टीएलसी प्रशिक्षक किरण सर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरिता यादव, सहायिका किरण यादव, कार्यकर्ता राधिका, सहायिका सुलेखा यादव तथा मितानिन चमेली साहू एवं रुखमनी मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का साल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। आयोजन के दौरान गर्भवती माताओं की गोद भराई की रस्म निभाई गई। उन्हें श्रीफल, पुष्पगुच्छ, सुहाग पेटारी एवं पोषण आहार देकर सम्मानित किया गया। वहीं शिशुवती माताओं के बच्चों का खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों को नेवता भोज के तहत भोजन कराया गया तथा उन्हें स्केच, मोम पेंसिल, रबर और कटर उपहार स्वरूप प्रदान किए गए।

बलरामपुर में खुलेगा एआई का नया रोजगार केंद्र

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में रोजगार और आजीविका के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। स्व-सहायता समूह की महिलाओं और शिक्षित ग्रामीण युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित आजीविका से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन बलरामपुर-रामानुजगंज और प्रिज्मा एआई के बीच कॉग्निटिव डेटा एनोटेशन सेंटर की स्थापना के लिए गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के साथ बलरामपुर डेटा लेबलिंग एवं एआई के लिए कॉग्निटिव डेटा एनोटेशन सेंटर स्थापित करने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है। कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, प्रिज्मा एआई के सीईओ डॉ. श्रीराम अय्यर, सीओओ अमिताभ राय चौधरी, सीटीओ विनीत कुमार झा सहित स्व-सहायता समूह की सदस्य सपना एवं अनुजा उपस्थित रहीं।

10 सीटों से शुरू होगा पायलट सेंटर - पायलट चरण में बलरामपुर में 10 सीटों वाला संचालन केंद्र शुरू किया जाएगा। केंद्र में एक समर्पित प्रशिक्षक और गुणवत्ता पर्यवेक्षक की व्यवस्था रहेगी। चयनित प्रतिभागियों को एआई साक्षरता, डिजिटल कौशल, डेटा लेबलिंग, इमेज एवं ऑब्जेक्ट टैगिंग, वर्गीकरण, सत्यापन और गुणवत्ता समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान में 40 बच्चों को मिली शिक्षा सामग्री

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, शिवरीनारायण में विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग तथा वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने के उद्देश्य से प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत शिवरीनारायण के अध्यक्ष राहुल थवाईत तथा अध्यक्षता पार्षद एवं जनभागीदारी सदस्य सतेन्द्र केवट ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पार्षद चेतन सोनी एवं ललित कश्यप उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के द्वारा 40 आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सामग्री प्रदान कर सहयोग किया गया। साथ ही सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

मुख्य अतिथि राहुल थवाईत ने कहा कि आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने के लिए वे हमेशा तैयार रहेंगे। उन्होंने समाज के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं समाजसेवियों से भी जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री बी.के. देवांगन ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान विद्यार्थियों में संवेदना, सहयोग, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता के संस्कार विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्या दान केवल पुस्तक, कॉपी या शैक्षणिक सामग्री देना नहीं है, बल्कि किसी बच्चे के सपनों को उड़ान देने और उसके भविष्य को मजबूत बनाने का प्रयास है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए करें तथा अपने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों को मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन भुगतान एवं विभिन्न शासकीय ऑनलाइन सेवाओं के सुरक्षित उपयोग की जानकारी देकर उन्हें डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें।

शिवरीनारायण में मायापुर इस्कॉन थीम पर बनेगा 90 फीट ऊंचा भव्य पंडाल

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में इस वर्ष दुर्गा पूजा उत्सव भव्य और आकर्षक रूप में मनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। दुर्गा पूजा सेवा समिति एवं समस्त नगरवासियों के तत्वावधान में मेला ग्राउंड शिवरीनारायण में 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष दुर्गा पूजा एवं मेले का आयोजन किया जाएगा।

इस वर्ष आयोजन का मुख्य आकर्षण पश्चिम बंगाल के मायापुर स्थित इस्कॉन मंदिर की थीम पर तैयार किया जा रहा भव्य पंडाल होगा। समिति के अनुसार पंडाल की ऊंचाई करीब 90 फीट, चौड़ाई 120 फीट और गहराई 200 फीट रखी जाएगी। पंडाल के भीतर करीब 35 फीट ऊंची मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

कोलकाता के कारीगर देंगे पंडाल को भव्य रूप - पंडाल की आंतरिक सजावट के लिए कोलकाता से विशेष कारीगर बुलाए गए हैं। कारीगरों द्वारा लकड़ी एवं थर्माकोल की नक्काशी के माध्यम से पंडाल को आकर्षक रूप दिया जा रहा है। विशाल पंडाल के साथ आकर्षक विद्युत सज्जा और रोजाना लाइट शो भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन के दौरान दर्शन-पूजन के साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। समिति द्वारा श्रद्धालुओं और नगरवासियों के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण तैयार करने की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

11 से 20 अक्टूबर तक चलेगा आयोजन - दुर्गा पूजा एवं मेला 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक मेला ग्राउंड शिवरीनारायण में आयोजित होगा। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने का काम किया जा रहा है।

501 रुपए की दान राशि पर 'मां का उपहार' लकी ड्रॉ - दुर्गा पूजा सेवा समिति द्वारा इस वर्ष भक्तों के लिए 'मां का उपहार' लकी ड्रॉ योजना भी शुरू की गई है।

हाथी हमले के बाद वन विभाग अलर्ट ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर निगरानी तेज



विश्व केसरी■

बलरामपुर/राजपुर (आफताब आलम)। वन परिक्षेत्र राजपुर के उप परिक्षेत्र बरियों अंतर्गत ग्राम परसवारकला के बड़खापारा में 29 सितंबर की रात जंगली हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु की घटना सामने आई। घटना के बाद वन मंडलाधिकारी आलोक कुमार वाजपेयी के निर्देश पर वन विभाग का मैदानी अमला तत्काल सक्रिय हुआ और क्षेत्र में हाथियों की निगरानी के साथ ग्रामीणों को सतर्क करने की कार्रवाई तेज की गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम परसवारकला निवासी सुटरूंग कौशिक पिता गोहन्दुल कौशिक, उम्र लगभग 53 वर्ष, 29 सितंबर की रात करीब 7:05 बजे अपनी पुत्री के घर जाने के लिए निकले थे। महान नदी पार करने के बाद रास्ते में उनका सामना जंगली कबरा हाथी से हो गया। हाथी के हमले में उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद हाथी ग्राम रेवतपुर होते हुए जंगल की ओर चला गया।

घटना की सूचना मिलते ही हाथी प्रभावित क्षेत्र में निगरानी एवं जनजागरूकता कार्य में लगे वन कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। रात्रि होने के कारण 30 सितंबर की सुबह पुलिस द्वारा मौका पंचनामा एवं मर्ग इंटीमेशन की कार्रवाई की गई। चिकित्सकों द्वारा मौके पर शव परीक्षण किए जाने के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

दुर्गूकोंदल क्षेत्र में फसल क्षति को लेकर प्रशासन ने लिया संज्ञान



विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। दुर्गूकोंदल क्षेत्र में फसल क्षति को लेकर किसानों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का मैदानी स्तर पर सर्वेक्षण एवं आकलन कराया जा रहा है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनिकेत अशोक फडतरे ने संबंधित राजस्व एवं मैदानी अमले को प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र निरीक्षण कर पात्र किसानों के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए हैं। पात्र किसानों को आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा फसल बीमा, कृषि विभाग से संबंधित प्रकरणों एवं किसानों की अन्य मांगों पर संबंधित विभागों के माध्यम से नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्रभावित ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पात्रतानुसार रोजगारमूलक कार्य प्रारंभ करने की दिशा में भी प्रशासन द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं।

दुर्गूकोंदल जनपद में गुणवत्ता विहीन निर्माण पर सवाल

विश्व केसरी■



भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। दुर्गूकोंदल जनपद क्षेत्र के दोड़दे पंचायत में गुणवत्ताहीन निर्माण की जो तस्वीर सामने आई है, वह सरकारी पैसों की खुली डकैती की गवाही देती है। वहां 19.95 लाख रुपये की स्वीकृत पुलिया में ढलाई ऊपर और सरिया नीचे झूलता दिखाई दे रहा है। जब मामले पर एसडीओ देवेंद्र हठिले से जवाब मांगा गया, तो उन्होंने बड़े ही ढिठाई से सारा ठीकरा इंजीनियर की अनुपस्थिति पर फोड़ दिया।

'इंजीनियर मौजूद नहीं था, इसलिए ठेकेदार ने ढलाई कर दी। निर्माण की गुणवत्ता ठीक नहीं है।' — एसडीओ

सवाल प्रशासन और शासन की मंशा पर: क्या सिर्फ 'गुणवत्ता खराब है' कह देने से मामला खत्म हो जाएगा? क्या उस घटिया और जर्जर पुलिया को तोड़कर ठेकेदार के खर्च पर दोबारा सही तरीके से बनाया जाएगा? जिम्मेदार इंजीनियर पर एफआईआर कब? जो इंजीनियर अपनी एसी गाड़ियों से बाहर नहीं निकलते और पूरे निर्माण कार्य को ठेकेदारों की मनमर्जी पर छोड़ देते हैं, उन पर सिर्फ खानापूर्ति वाली कार्रवाई क्यों? डीएमएफ फंड का ऑडिट क्यों नहीं? 150 करोड़ के टीना शेड और बिन सड़क की 20-20 लाख वाली पुलिया की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच (CBI या न्यायिक जांच) क्यों नहीं कराई जा रही?

अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय IPS के निर्देशन में जिले में अवैध शराब पर अंकुश लगाने लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में नवागढ़ पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी राहुल दास महंत उम्र 20 साल निवासी मातिन थाना बांगो जिला कोरबा हाल ग्राम अमोदा को पकड़ा गया। जिसके कब्जे से अलग अलग पन्नी पाउच में रखे 5.5 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा उक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी नवागढ़ एवं थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

दूध के उचित दाम की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे दुग्ध उत्पादक

विश्व केसरी■



बहेराडीह (नीरज शर्मा)। जिले के दुग्ध उत्पादक किसानों ने दूध के उचित मूल्य की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। दुग्ध उत्पादकों ने गाय के दूध का मूल्य 60 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस के दूध का मूल्य 80 रुपये प्रति लीटर निर्धारित किए जाने की मांग की।

दुग्ध उत्पादक गोलू यादव व उनके साथियों का कहना है कि वर्तमान समय में पशुपालन की लागत लगातार बढ़ रही है। पशुओं के लिए दाना, हरा चारा और सूखा चारा खरीदने में बड़ी राशि खर्च हो रही है। इसके अलावा पशुओं की देखभाल, उपचार, टीकाकरण तथा अन्य खर्च भी पशुपालकों को उठाना पड़ता है। इन सभी खर्चों को जोड़ने के बाद दूध की बिक्री से मिलने वाली राशि पर्याप्त नहीं हो रही है। पशुपालकों ने कहा कि दूध उत्पादन में जितनी लागत आ रही है, उसके अनुपात में उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। इससे छोटे और सीमांत दुग्ध उत्पादकों के सामने पशुपालन को लाभकारी बनाए रखने की चुनौती बढ़ती जा रही है। दुग्ध उत्पादकों का कहना है कि पशुपालन ग्रामीण परिवारों की आय का महत्वपूर्ण साधन है।

यदि दूध का उचित मूल्य मिले तो पशुपालक बेहतर तरीके से पशुओं की देखभाल कर सकेंगे और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

सेंसेक्स और निफ्टी में 0.42 प्रतिशत तक की गिरावट

विश्व केसरी



मुंबई। अमेरिकी और ईरान के बीच सुलह की उम्मीदें धूमिल होने के कारण तेल की कीमतों में उछाल आने से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज की गई। फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में गिरावट के कारण प्रमुख बेंचमार्कों, निफ्टी50 और सेंसेक्स, ने अपनी दिन की बढ़त खो दी।

इस दौरान, सेंसेक्स 48.78 अंक यानी 0.07 प्रतिशत गिरकर 72,480.29 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी50 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत गिरकर 22,620.45 पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 0.02 प्रतिशत और 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मीडिया में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स, मैक्स हेल्थकेयर और बीएसई सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा, सिप्ला और इटरनल के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, इसके विपरीत, कोटक बैंक, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि ऊंचे लेवल पर प्रॉफिट बुकिंग और उसके बाद तेल की कीमतों में उछाल के कारण रिलीफ रैली की रफ़्तार धीमी पड़ गई है। ग्लोबल बॉन्ड यील्ड का ऊंचा स्तर अभी भी एक बड़ी चिंता बना हुआ है, जिससे लगातार रिस्क लेने की गुंजाइश सीमित हो रही है।

एक्सपर्ट ने कहा, खासकर बैंकिंग और आईटी सेक्टर के लार्ज-कैप शेयरों में तेजी आई, क्योंकि मौजूदा मैक्रो-इकोनॉमिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशक बेहतर वैल्यूएशन और ज्यादा 'मार्जिन ऑफ सेफ्टी' वाले शेयरों की ओर आकर्षित हुए।

एक्सपर्ट ने बताया कि बाजार का कुल माहौल अभी भी सतर्कता वाला है; निवेशक कच्चे तेल की कीमतों, बॉन्ड यील्ड, महंगाई के अनुमान और ग्लोबल मॉनेटरी पॉलिसी पर पड़ने वाले संभावित असर पर नजर बनाए हुए हैं। नतीजतन, जब तक मैक्रो-इकोनॉमिक आउटलुक पर ज्यादा स्पष्टता नहीं आती, तब तक बाजार में शामिल लोग चुनिंदा शेयरों पर ही ध्यान देंगे और मज़बूत फंडामेंटल और टिकाऊ कमाई वाले बिजनेस को प्राथमिकता देंगे।

वित्त मंत्री सीतारमण से चर्चा बाद व्यापारियों ने वापस लिया 'नो यूपीआई डे' का आह्वान

विश्व केसरी



नई दिल्ली। प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ हुई बैठक के बाद 2 अक्टूबर को प्रस्तावित 'नो यूपीआई डे' के आह्वान को वापस ले लिया है। यह फैसला राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को हुई बैठक के बाद लिया गया, जिसमें व्यापारिक समुदाय ने 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखीं।

बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 20 व्यापार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चांदनी चौक से सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने किया। व्यापारियों ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क से छोटे और मध्यम कारोबारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ सकता है और डिजिटल भुगतान को अपनाने की रफ्तार प्रभावित हो सकती है। प्रतिनिधियों ने सरकार से प्रस्तावित शुल्क को लेकर स्पष्टता मांगी और आग्रह किया कि इस निर्णय पर अमल से पहले व्यापारिक समुदाय की चिंताओं को ध्यान में रखा जाए। इससे पहले ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स फेडरेशन और ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन ने शुल्क के विरोध में 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने की घोषणा की थी। हालांकि, वित्त मंत्री के साथ चर्चा के बाद दोनों संगठनों ने अपना विरोध कार्यक्रम वापस लेने का फैसला किया। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि सरकार के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संवाद हुआ तथा व्यापारियों को भरोसा दिलाया गया कि उनकी चिंताओं पर उचित विचार किया जाएगा। प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एआईएमआरए), ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) और ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) सहित कई प्रमुख व्यापारिक संगठन शामिल थे।

सरकार ने वाहन निर्माताओं के लिए कैफे-3 नियमों को अधिसूचित किया, ईवी इंसेंटिव को रखा बरकरार

विश्व केसरी



नई दिल्ली। सरकार ने वाहन निर्माताओं के लिए बुधवार को नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी (कैफे-3) नियमों को अधिसूचित कर दिया है। साथ ही, इसमें छोटी पेट्रोल कारों के लिए प्रस्तावित अलग रियायत को हटा दिया गया है।

विद्युत मंत्रालय की ओर से अधिसूचित किए गए नियम अप्रैल 2027 से लागू होंगे और मार्च 2032 तक प्रभावी रहेंगे।

हालांकि, केंद्र सरकार ने पिछले साल 909 किलोग्राम तक वजन वाली पेट्रोल कारों के लिए प्रति किलोमीटर 3 ग्राम की छूट का प्रस्ताव दिया था। कई प्रमुख कार निर्माताओं ने इस छूट का विरोध किया।

इसके अलावा, अंतिम नियमों में 909 किलोग्राम से कम वजन वाली कारों के लिए कोई अलग छूट नहीं दी गई है।

इसके बजाय, सरकार ने निर्माता के पूरे फ्लीट के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन लक्ष्य की गणना करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्मूले में बदलाव किया है।

सितंबर 2025 के ड्राफ्ट में रेफरेंस गाड़ी का वजन 1,170 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम कर दिया गया था। वहीं, फाइनल नियमों में सालाना वजन एडजस्टमेंट भी कम रखा गया है।

इन बदलावों से हल्की गाड़ियों के बेड़े को कुछ राहत मिलती है, जबकि भारी गाड़ियों के बेड़े के लिए लक्ष्य कड़े कर दिए गए हैं।

फाइनल फॉर्मूले के तहत, 909 किलोग्राम की कार के लिए वित्त वर्ष 28 में उत्सर्जन का लक्ष्य लगभग 82.8 ग्राम सीओ2 प्रति किलोमीटर है, जबकि सितंबर 2025 के ड्राफ्ट में यह लक्ष्य लगभग 76 ग्राम था। लेकिन 2,500 किलोग्राम की गाड़ी के लिए, फाइनल फाइनल फॉर्मूले के तहत लक्ष्य लगभग 142.4 ग्राम है, जबकि पहले वाले फॉर्मूले में यह लगभग 151.4 ग्राम था। इसके अलावा, कैफे-3 के फाइनल नियमों में सुपर-क्रेडिट सिस्टम के जरिए स्वच्छ ईंधन वाले वाहनों के लिए इंसेंटिव भी रखे गए हैं। किसी भी वाहन निर्माता के फ्लीट प्रदर्शन की गिनती करते समय एक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन को तीन वाहनों के बराबर माना जाएगा।

केंद्र ने दिल्ली के लिए 1,790 करोड़ रुपए के एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

विश्व केसरी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को दिल्ली के लिए 1,789.52 करोड़ रुपए के इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट (आईटीएमएस) प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य दिल्ली में ट्रैफिक प्रवाह, सड़क सुरक्षा और शहरी मोबिलिटी में सुधार करना है।

दिल्ली पुलिस द्वारा लागू किए जाने वाले इस प्रोजेक्ट में 42 चिन्हित ट्रैफिक कॉरिडोर शामिल होंगे और इसे 24 महीनों की अवधि में तीन चरणों में शुरू किया जाएगा।

यह पहल शहर में ट्रैफिक मैनेजमेंट और ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

आईटीएमएस दिल्ली के रोड नेटवर्क को बेहतर ढंग से मैनेज करने के लिए रियल-टाइम ट्रैफिक डेटा, अडैप्टिव ट्रैफिक सिग्नल, ऑटोमेटेड एनफोर्समेंट सिस्टम और इंटीग्रेटेड कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल करेगा।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब शहर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहा है और अभी सड़कों पर लगभग 71 लाख एक्टिव रजिस्टर्ड गाड़ियां चल रही हैं।

सरकार के मुताबिक, दिल्ली में गाड़ियों की संख्या में बढ़ोतरी, सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की तुलना में बहुत ज्यादा रही है, जबकि ट्रैफिक मैनेजमेंट अभी भी काफ़ी हद तक तय सिग्नल टाइमिंग और मैन्युअल दखल पर निर्भर है।

यह नया सिस्टम सड़क की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए बनाया गया है, ताकि ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम रियल टाइम की स्थितियों के हिसाब से तुरंत बदलाव कर सके।

इस प्रोजेक्ट की एक खास बात 'अडैप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम' को लागू करना है। यह सिस्टम ट्रैफिक के बहाव के आधार पर सिग्नल की टाइमिंग को अपने-आप एडजस्ट करेगा और भीड़-भाड़ व देरी को कम करने के लिए मुख्य रास्तों पर सिग्नल के बीच तालमेल बिठाएगा।

यह सिस्टम भीड़-भाड़ वाले रास्तों पर 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाकर एम्बुलेंस और दूसरी इमरजेंसी गाड़ियों के लिए प्राथमिकता से आवाजाही की सुविधा भी देगा।

सरकार का कहना है कि इस टेक्नोलॉजी से ट्रैफिक जाम, दुर्घटनाओं और सड़क पर होने वाली दूसरी घटनाओं का जल्दी पता चल सकेगा, जिससे दिल्ली पुलिस सही कदम उठा सकेगी और ट्रैफिक डायवर्जन को बेहतर ढंग से मैनेज कर पाएगी।

यात्रियों को 'वेरिएबल मैसेज साइन बोर्ड' और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रैफिक की स्थिति, डायवर्जन और पार्किंग की उपलब्धता के बारे में असल समय की जानकारी मिलेगी। यात्रियों को बेहतर रास्ते चुनने में मदद करने के लिए नेविगेशन सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ भी ट्रैफिक अपडेट शेयर किए जा सकते हैं।

कन्याकुमारी में गर्मी के कारण लेटेक्स का उत्पादन घटा, रबर की कीमतें बढ़ीं

विश्व केसरी



नागरकोइल। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में रबर की बढ़ती कीमतों ने किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी है। हालांकि, सितंबर की गर्मी के कारण लेटेक्स का उत्पादन कम हुआ है और बाजार में आई तेजी का पूरा फायदा किसानों को नहीं मिल पाया है।

कन्याकुमारी और पड़ोसी राज्य केरल में सप्लाई की कमी के बीच कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। व्यापारी बाजार में मजबूती बनाए रखने के लिए लगातार बनी हुई इंडस्ट्रियल डिमांड को भी एक वजह मान रहे हैं।

किसानों ने बताया कि गर्मी की वजह से पिछले दो हफ्तों में कन्याकुमारी में लेटेक्स का उत्पादन 30 प्रतिशत तक गिर गया है। अच्छी कीमतों के बावजूद, इस गिरावट का असर बिक्री के लिए उपलब्ध मात्रा पर पड़ा है।

जिले के पहाड़ी इलाकों में कभी-कभी हुई हल्की बारिश से कुछ राहत मिली है, जिससे लेटेक्स के उत्पादन में थोड़ी रिकवरी हुई है। हालांकि, यह सुधार उत्पादन में कमी के दौर के बाद आया है।

मंगलवार को कोट्टायम बाजार में आरएसएस-4 रबर की डीलर कीमत 271 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि आरएसएस-5 की कीमत 266 रुपये प्रति किलोग्राम रही। आईएसएस-ग्रेड रबर की कीमत 256 रुपये प्रति किलोग्राम बताई गई।

रबर बोर्ड की ओर से जारी कीमतें डीलर कोटेशन से अधिक थीं। बोर्ड के अनुसार आरएसएस-4 की दर 279 रुपये प्रति किलोग्राम और आरएसएस-5 की दर 274 रुपये प्रति किलोग्राम थी। 80 प्रतिशत प्रोसेस्ड लेटेक्स की कीमत 191 रुपये प्रति किलोग्राम बताई गई।

कन्याकुमारी के रबर किसानों ने कीमतों में इस बढ़ोतरी का स्वागत किया है। फिर भी, उनकी कमाई मिलने वाली कीमत और लेटेक्स के उत्पादन की मात्रा, दोनों पर निर्भर करती है, इसलिए उत्पादन में हालिया गिरावट चिंता का विषय है। कुलशेखरम के एक रबर व्यापारी ने कहा कि बाजार पर सिंथेटिक रबर से जुड़ी घटनाओं और घरेलू स्तर पर प्राकृतिक रबर के उत्पादन और खपत के बीच के अंतर का असर पड़ा है।

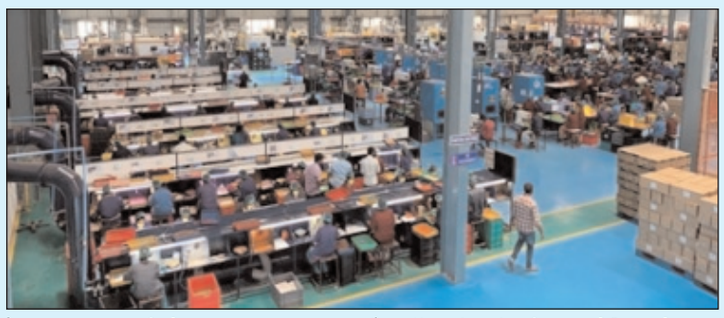
उन्होंने सिंथेटिक रबर की कीमतों में पहले हुई बढ़ोतरी की वजह अमेरिका और ईरान के बीच टकराव के दौरान भारत को होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई में रुकावट को बताया। उन्होंने कहा कि चूंकि सिंथेटिक रबर पेट्रोलियम से बनता है, इसलिए लागत बढ़ने से प्राकृतिक रबर की कीमतें भी बढ़ी हैं।

व्यापारी ने आगे कहा कि हालांकि बाद में कच्चे तेल का आयात स्थिर हो गया, लेकिन रबर की कीमतें बढ़ती रहीं।

उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में बढ़ोतरी से रबर की मांग बढ़ी है, जबकि घरेलू उत्पादन जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी नहीं है। इस असंतुलन की वजह से कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि अगर उत्पादन और मांग के बीच का अंतर कम होता है, तो कीमतें नरम हो सकती हैं। फिलहाल, किसानों को बेहतर कीमतों का फायदा मिल रहा है और वे यह देख रहे हैं कि क्या असामान्य रूप से गर्म मौसम के बाद बारिश से लेटेक्स के उत्पादन में लगातार सुधार होता है या नहीं।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का प्रदर्शन मजबूत औद्योगिक उत्पादन 7.81 प्रतिशत बढ़ा

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का प्रदर्शन लगातार मजबूत बना हुआ है और वित्त वर्ष 25 में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर 7.81 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, इस दौरान रोजगार में 7.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी बुधवार को सरकार द्वारा जारी 'उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण' (एएसआई) के आंकड़ों में दी गई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 25 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में प्रतिष्ठानों की संख्या बढ़कर 2.67 लाख हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 24 में 2.60 लाख थी।

सबसे ज्यादा प्रतिष्ठानों की संख्या तमिलनाडु में 41,221 थी। इसके बाद 33,084 के साथ गुजरात दूसरे और 27,379 के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर था।

रोजगार के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा देश के टॉप 5 राज्य बनकर उभरे हैं। 2024-25 में देश के कुल मैन्युफैक्चरिंग रोजगार में इनकी हिस्सेदारी 56 प्रतिशत से ज्यादा रही है। टॉप पांच इंडस्ट्रीज - बेसिक मेटल्स, मोटर गाड़ियां, केमिकल और केमिकल प्रोडक्ट्स, फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स और फूड प्रोडक्ट्स - ने मिलकर 2024-25 के दौरान देश के कुल मैन्युफैक्चरिंग जीवीए में 45 प्रतिशत से ज्यादा का योगदान दिया है।

इस बीच, 2023-24 की तुलना में 2024-25 में कर्मचारियों को दी जाने वाली कुल आय (वेतन-भत्ते आदि) में भी 12.08 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रजिस्टर्ड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में व्यापक स्तर पर बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसमें निवेश की गई पूंजी, इनपुट, आउटपुट, ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए), रोजगार और वेतन जैसे अधिकतर प्रमुख आर्थिक संकेतकों में पिछले साल के मुकाबले वृद्धि देखी गई। उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण मुख्य रूप से इसलिए किया जाता है ताकि अलग-अलग मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों में बदलाव की प्रक्रिया जैसे कि आउटपुट, वैल्यू एडेड, रोजगार, पूंजी निर्माण और अन्य कई पैमानों के आधार पर उनके गठन, विकास और ढांचे के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके।

एलपीजी से यूपीआई तक अक्टूबर में होने वाले हैं बदलाव

विश्व केसरी



नई दिल्ली। अक्टूबर का महीना शुरू होने के साथ ही कई ऐसे बदलाव लागू होने वाले हैं, जिनका आपकी जेब पर सीधा असर हो सकता है। इसमें बैंकिंग, यूपीआई, टैक्स, एलपीजी और एनपीएस से जुड़े नियम शामिल हैं।

अगले महीने होने वाले प्रमुख बदलावों में से एक नया यूपीआई एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) फ्रेमवर्क है, जो 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेंट लेनदेन पर लागू होगा। हालांकि, ग्राहकों से एमडीआर नहीं लिया जाएगा और व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) यूपीआई लेनदेन पहले की तरह मुफ्त रहेगा।

इसके अलावा, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए टैक्स ऑडिट प्रावधानों के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए कुछ महत्वपूर्ण समयसीमाएं बढ़ा दी हैं। टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा 30 सितंबर से बढ़ाकर 21 अक्टूबर कर दी गई है, जबकि आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी गई है। इसके अलावा, 1 अक्टूबर से घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को सब्सिडी मूल्य पर रिफिल बुक करने के लिए आधार बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

जो उपभोक्ता यह प्रक्रिया पूरी नहीं करेंगे, उन्हें एलपीजी पर सब्सिडी नहीं मिलेगी।

वहीं, देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक अक्टूबर से सैलरी पैकेज अकाउंट धारकों के लिए अन्य बैंकों के एटीएम से हर महीने मुफ्त लेनदेन की सीमा 10 से घटाकर पांच कर दी है। यह सीमा वित्तीय और गैर-वित्तीय, दोनों तरह के लेनदेन पर लागू होगी।

बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए महीने में चार नकद निकासी मुफ्त जारी रहेंगी। इसके बाद 15 रुपए सहित जीएसटी शुल्क लिया जाएगा। 1 अक्टूबर से गैर-निवासी विक्रेताओं से संपत्ति खरीदने वाले निवासी व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) को लागू टीडीएस अनुपालन के लिए अलग से टीएएन की आवश्यकता नहीं होगी और वे पैन का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसी तरह, संशोधित एनपीएस प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी) शुल्क ढांचा भी लागू होगा। इसमें प्रत्येक पीआरएएन के लिए 200 रुपए का एकमुश्त ऑनबोर्डिंग शुल्क शामिल है।

गुस्से में बच्चा उठाता है हाथ? पेरेंट्स अपनाएं ये आसान तरीके, वरना आदत और बढ़ सकती है



बच्चे के गुस्से में हाथ उठाने पर पेरेंट्स को खुद शांत रहना चाहिए और उसे वापस नहीं मारना चाहिए. गुस्सा शांत होने पर बच्चे को भावनाएं शब्दों में बताना सिखाएं. सुरक्षित गतिविधियों की मदद से उसका ध्यान भी बदला जा सकता है.

जब बच्चा अपनी बात मनवाने के लिए अचानक हाथ उठा देता है तो माता-पिता समझ नहीं पाते कि उसे कैसे रोकें. कई बार बच्चा गुस्से में माता-पिता, भाई-बहन या घर के किसी दूसरे सदस्य को मारने लगता है. कुछ बच्चे काटने या बाल खींचने जैसी हरकत भी करने लगते हैं. ऐसी स्थिति में पेरेंट्स का परेशान होना स्वाभाविक है, लेकिन बच्चे के इस व्यवहार को रोकने के लिए तुरंत डांटना या उसे वापस मारना सही तरीका नहीं माना जाता.

बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को शब्दों में ठीक से नहीं बता पाते और उनका गुस्सा शारीरिक व्यवहार के रूप में सामने आ सकता है. सर्टिफाइड चाइल्ड थेरेपिस्ट और पेरेंटिंग काउंसलर प्रनव ने ऐसे व्यवहार से निपटने के कुछ तरीके बताए हैं, जिन्हें पेरेंट्स समझ सकते हैं.

बच्चे के हाथ उठाने पर पेरेंट्स क्या करें?

बच्चे के मारने की आदत को बदलने में सबसे जरूरी बात है कि पेरेंट्स अपनी प्रतिक्रिया पर ध्यान दें. गुस्से के समय बच्चे को शांत करना आसान नहीं होता. फिर भी अगर हर बार स्थिति बिगड़ने पर माता-पिता भी तेज आवाज में जवाब देंगे तो बच्चा उस व्यवहार को और ज्यादा दोहरा सकता है. इसलिए ऐसे समय में पहले खुद शांत रहने की कोशिश करें.

1. तुरंत गुस्से में प्रतिक्रिया न दें

अगर बच्चा गुस्से में मारने या काटने की कोशिश करता है तो उस समय उस पर चिल्लाने से बचें. बच्चे को यह समझने के लिए थोड़ा समय दें कि वह क्या कर रहा है. जरूरत लगे तो कुछ पल के लिए उससे दूरी बनाई जा सकती है. इसका मतलब यह नहीं है कि बच्चे की हरकत को नजरअंदाज कर दिया जाए. बल्कि पहले स्थिति को शांत करना जरूरी है. जब बच्चा थोड़ा सामान्य हो जाए तो उसके व्यवहार पर बात करना ज्यादा आसान हो सकता है.

2. बच्चे को वापस मारने से बचें

बच्चे ने हाथ उठाया है तो उसके जवाब में उसे मारना समस्या को बढ़ा सकता है. इससे बच्चे को यह संदेश मिल सकता है कि गुस्से में मारना स्वीकार्य व्यवहार है, अगर घर में बड़े व्यक्ति गुस्से में हाथ उठाते हैं तो बच्चा भी उसी व्यवहार की नकल कर सकता है. इसलिए बच्चे को रोकते समय शांत लेकिन स्पष्ट रहें. उसे बताएं कि किसी को चोट पहुंचाना ठीक नहीं है. सीमा तय करना जरूरी है, लेकिन उसे मारकर सिखाना सही तरीका नहीं होगा.

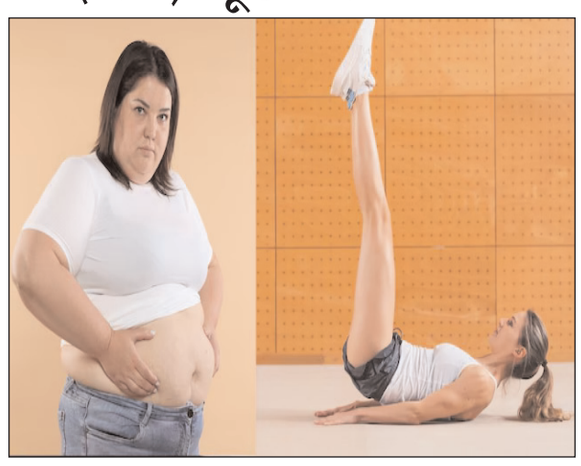
गुस्से के समय बच्चे को दूसरा विकल्प दें

छोटे बच्चों के लिए गुस्सा, निराशा या अपनी बात न माने जाने की भावना को शब्दों में बताना मुश्किल हो सकता है. ऐसे में उनका व्यवहार हाथ उठाने, चीजें फेंकने या किसी को काटने के रूप में सामने आ सकता है.

3. ध्यान को सुरक्षित गतिविधि की ओर मोड़ें

जब बच्चा बहुत गुस्से में हो तो उसका ध्यान किसी सुरक्षित गतिविधि की तरफ मोड़ने की कोशिश की जा सकती है. उदाहरण के लिए उसे सॉफ्ट बॉल दबाने, तकिया पकड़ने या घर में मौजूद छोटे पंचिंग बैग पर हाथ मारने जैसी गतिविधि दी जा सकती है. यहां ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि बच्चे को किसी दूसरे व्यक्ति को चोट पहुंचाने के बजाय अपनी बेचैनी को सुरक्षित तरीके से संभालने का विकल्प मिले. हर बच्चे पर एक ही तरीका काम करे, यह जरूरी नहीं है. पेरेंट्स बच्चे के स्वभाव के हिसाब से विकल्प चुन सकते है।

लटके पेट का करना है पर्मानेंट इलाज, रोज करें उत्तानपादासन, सूखने लगेगी चर्बी



योग आपकी बॉडी को सिर्फ फिट ही नहीं बनाता, बल्कि आपके मन को स्ट्रेस से भी फ्री करता है. इसलिए योग मोटापा से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका बताया जाता है. ऐसे में यदि आप अपने पेट के पास जमा चर्बी के लिए उपाय करना चाहते हैं तो उत्तानपादासन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट और स्वस्थ रहना हर किसी की जरूरत बन गया है. लंबे समय तक बैठकर काम करना, अनियमित खानपान और तनाव भरी जीवनशैली के कारण लोगों में मोटापा, गैस, कब्ज और थकान जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं. ऐसे में योग एक नेचुरल और प्रभावी तरीका माना जाता है, जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है.

योग में कई ऐसे आसन हैं, जो अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं के लिए फायदेमंद माने जाते हैं. इन्हीं में से एक है उत्तानपादासन. ये एक सरल लेकिन प्रभावशाली योगासन है, जिसे नियमित रूप से करने पर पेट की मांसपेशियां मजबूत हो सकती हैं और शरीर में ऊर्जा का स्तर बेहतर हो सकता है. आइए जानते हैं कि उत्तानपादासन क्या है और इससे शरीर को कौन-कौन से लाभ मिल सकते हैं.

क्या है उत्तानपादासन?

उत्तानपादासन हठयोग का एक महत्वपूर्ण आसन है. संस्कृत में 'उत्तान' का अर्थ होता है ऊपर उठा हुआ और 'पाद' का मतलब पैर होता है. इस आसन में व्यक्ति पीठ के बल लेटकर अपने दोनों पैरों को जमीन से ऊपर उठाता है. यह अभ्यास शरीर के संतुलन और पेट के निचले हिस्से पर विशेष प्रभाव डालता है.

उत्तानपादासन के फायदे

उत्तानपादासन का असर मुख्य रूप से पेट और नाभि के आसपास के हिस्से पर पड़ता है. नियमित अभ्यास से पाचन क्रिया बेहतर हो सकती है. यह गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक माना जाता है.

ये योगासन पेट की मांसपेशियों पर काम करता है, जिससे उन्हें मजबूती मिलती है. साथ ही यह पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी मददगार माना जाता है. यही वजह है कि वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोग इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं.

उत्तानपादासन केवल पेट तक सीमित नहीं है. यह जांघों और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने में मदद करता है. नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन और संतुलन बेहतर हो सकता है.

इस आसन को करते समय सांसों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे मन शांत रहता है. यह तनाव, चिंता और मानसिक थकान को कम करने में मदद कर सकता है. कई लोगों को इसके अभ्यास के बाद अधिक ऊर्जा और सकारात्मकता महसूस होती है।

पकोड़े क्यों पी जाते हैं ज्यादा तेल? जानिए क्रिस्पी पकोड़े बनाने का सही तरीका



क्रिस्पी और कम तेल वाले पकौड़े बनाने के लिए घोल को हमेशा गाढ़ा रखें, तेल का तापमान सही हो, एक साथ ज्यादा न तलें, बैटर को 10-15 मिनट रखें और बेसन में चावल का आटा मिलाएं. इन तरीकों से आपके पकोड़े एकदम परफेक्ट और क्रिस्पी बनेंगे.

बारिश का मौसम हो या शाम की चाय, गरमा-गरम पकोड़ों का स्वाद हर किसी को पसंद आता है. लेकिन कई बार पकोड़े इतना तेल सोख लेते हैं कि उनका स्वाद खराब हो जाता है और वे भारी भी लगने लगते हैं. दरअसल, पकोड़े बनाते समय की गई कुछ छोटी-छोटी गलतियां ही इसकी वजह होती हैं. यदि सही तकनीक अपनाई जाए तो पकोड़े बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम बनते हैं, साथ ही कम तेल भी सोखते हैं. तो चलिये जानते हैं इनको बनाते समय कुछ खास सावधानियां.

बहुत पतला घोल बनाना

कई लोग बेसन का घोल बहुत पतला बना लेते हैं. पतला बैटर तेल में जाने पर ज्यादा तेल सोखता है और पकोड़े नरम हो जाते हैं. पकोड़ों के लिए घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि वह सब्जियों पर अच्छी तरह चिपक जाए.

तेल का सही तापमान न होना

अगर तेल पर्याप्त गर्म नहीं है तो पकोड़े तलते समय ज्यादा तेल सोख लेते हैं. वहीं बहुत ज्यादा गर्म तेल में पकोड़े ऊपर से जल जाते हैं और अंदर से कच्चे रह जाते हैं. पकोड़े तलने के लिए तेल मध्यम से तेज गर्म होना चाहिए।

बाहर से क्रिस्पी और अंदर से परतदार, घर पर ऐसे बनाएं कर्नाटक की फेमस चिरोटे मिठाई, जलेबी-गुलाब जामुन से अलग है इसका स्वाद



कर्नाटक की चिरोटे एक परतदार और कुरकुरी मिठाई है, जिसे मैदा, सूजी और घी से तैयार किया जाता है. कॉर्नफ्लोर की मदद से परतें बनाई जाती हैं और तलने के बाद इसे इलायची वाली चाशनी में डुबोया जाता है. पिस्ता से सजाकर इसे परोसा जाता है.

कभी-कभी मिठाई में वही स्वाद सबसे ज्यादा पसंद आता है जो रोज की जलेबी, गुलाब जामुन या रसगुल्ले से थोड़ा अलग हो. अगर आपको कुरकुरी और परतदार मिठाइयां पसंद हैं तो कर्नाटक की पारंपरिक चिरोटे आपके लिए दिलचस्प विकल्प हो सकती है. पहली नजर में यह छोटी सी कुरकुरी पूरी जैसी दिखती है, लेकिन काटने पर इसकी कई पतली परतें दिखाई देती हैं.

इसे चीनी की चाशनी में डुबोकर तैयार किया जाता है, जिससे हर निवाले में मिठास और कुरकुरापन साथ मिलता है. कर्नाटक में इसे खास मौकों पर बनाने की परंपरा रही है. घर पर इसे बनाने में सबसे ज्यादा ध्यान परतें तैयार करने और तलने के तरीके पर देना पड़ता है.

कर्नाटक की चिरोटे मिठाई क्यों है खास

चिरोटे की सबसे खास बात इसका टेक्सचर है. इसमें मैदा और बारीक सूजी से आटा तैयार किया जाता है. फिर घी और कॉर्नफ्लोर के मिश्रण की मदद से कई परतें बनाई जाती हैं. जब इस तैयार रोल को छोटे टुकड़ों में काटकर बेला जाता है और गर्म तेल में तला जाता है तो परतें अलग-अलग दिखाई देने लगती हैं. तलने के बाद चिरोटे को हल्की गर्म चाशनी में डुबोया जाता है. चाशनी में हरी इलायची डालने से मिठाई में हल्की खुशबू भी आती है. ऊपर से पिस्ता पाउडर डालने पर इसका स्वाद और लुक दोनों बेहतर हो जाते हैं.

चिरोटे बनाने के लिए क्या चाहिए

आटा तैयार करने के लिए तीन-चौथाई कप मैदा, एक-तिहाई कप बारीक सूजी, एक चुटकी नमक, एक बड़ा चम्मच गर्म घी और करीब एक-तिहाई कप पानी चाहिए. तलने और ग्रीसिंग के लिए तेल रखें. चाशनी के लिए दो कप चीनी, एक कप पानी, दो से तीन कुटी हुई हरी इलायची और एक से दो बड़े चम्मच दूध लें. परतों के लिए दो बड़े चम्मच घी और आधा कप कॉर्नफ्लोर चाहिए. सजाने के लिए पिस्ता पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं.

Chirote Recipe बनाने का आसान तरीका

पहले तैयार करें आटा और चाशनी

एक बर्तन में मैदा, सूजी और नमक मिलाएं. इसमें गर्म घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मिलाएं. धीरे-धीरे पानी डालते हुए ऐसा आटा गूंथें जो न बहुत सख्त हो और न ज्यादा नरम. इसे ढककर 10 से 15 मिनट के लिए रख दें. अब एक पैन में चीनी और पानी डालकर पकाएं. इसमें कुटी हुई इलायची डालें. चीनी घुलने के बाद दूध डालें. ऊपर आने वाले झाग को चम्मच से निकाल दें. चाशनी को पकाकर एक तार की चाशनी जैसी स्थिरता तक लाएं और गैस बंद कर दें.

परतें बनाने पर दें खास ध्यान

एक कटोरी में घी लेकर उसे फेंटें. इसमें थोड़ा-थोड़ा कॉर्नफ्लोर मिलाते जाएं. इससे चिकना और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाएगा. आटे को तीन बराबर हिस्सों में बांटकर लोइयां बनाएं. हर लोई को पतली चपाती की तरह बेलें. पहली चपाती पर घी और कॉर्नफ्लोर का पेस्ट लगाएं. इसके ऊपर दूसरी चपाती रखें और फिर पेस्ट लगाएं. तीसरी चपाती रखने के बाद उस पर भी पेस्ट फैलाएं. अब तीनों परतों को हल्का बेलें और कसकर रोल करते हुए सिलेंडर का आकार दें।

पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या राय का अनस्टॉपेबल एलिगेंस, सिर पर ताज और ब्लैक वेलवेट गाउन में रन वे पर बिखेरा हुस्न का जादू



पेरिस फैशन वीक 2026 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने शाही रॉयल अंदाज से महफिल लूट ली! ब्लैक वेलवेट फिशटेल गाउन, क्रिस्टल केप और सिर पर सजा ताज—एक्ट्रेस का यह ड्रामेटिक और अनस्टॉपेबल एलिगेंस वाला लुक सोशल मीडिया पर छा गया है है. एफिल टावर के बैकग्राउंड में उनका यह रॉयल अवतार किसी परीकथा से कम नहीं लग रहा था।था.

फैशन की दुनिया में जब भी रॉयल्टी, ग्रेस और अनस्टॉपेबल एलिगेंस की बात होती है, तो सबसे पहला नाम बॉलीवुड की डीवा ऐश्वर्या राय बच्चन का आता है. एक बार फिर इस ग्लोबल आइकॉन ने अपने अंदाज से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया है. पेरिस फैशन वीक 2026 के मंच पर ऐश्वर्या ने अपनी ऐसी मौजूदगी दर्ज कराई, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है. एफिल टावर की शाइनी बैकड्रॉप और ओपन-एयर रनवे पर उनका यह अवतार किसी परीकथा से कम नहीं लग रहा था.

पेरिस फैशन वीक के दौरान सोमवार, 28 सितंबर 2026 को प्लेस जोफ्रे में लॉरियल पेरिस के आइकॉनिक 'ले डेफिल' शो का आयोजन किया गया था. इस स्टार-स्टड इवेंट में दुनिया भर के कई जाने-माने इंटरनेशनल स्टार्स ने शिरकत की.

इस साल के बेहद सशक्त और प्रेरणादायक थीम 'एक्सप्रेस योर वर्थ' के तहत ऐश्वर्या राय बच्चन ने रनवे पर वॉक किया और महफिल लूट ली. इस भव्य मंच पर ऐश्वर्या के अलावा सिमोन एशली, सेलीन डियोन, ईवा लॉन्गोरिया, केंडल जेनर, कारा डेलेविंन, जेन फोंडा और एंडी मैकडॉवेल जैसी कई इंटरनेशनल हस्तियां भी शामिल थीं।

भारत की सबसे साफ नदी कौन-सी है? कांच की तरह दिखता है पानी, बोटिंग लिए उमड़ती है भीड़, देखें फोटोज

देश की लगभग आधी नदियां प्रदूषित हैं, जिसका पानी साफ और पारदर्शी नहीं बल्कि काला नजर आता है. ऐसे में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास डावकी कस्बे में बहने वाली नदी का दृश्य दिल खुश कर देता है. इसे भारत की सबसे साफ नदी भी कहा जाता है.



मेघालय राज्य में बहने वाली उमंगोट नदी में सिर्फ पानी नहीं बल्कि देश की उन नदियों की सच्चाई का स्वरूप दिखता है, जिसमें प्रदूषण के कारण काला पानी बहता है. भारत की सबसे साफ नदी के नाम से पहचानी जानी वाली उमंगोट नदी को डावकी नदी के नाम से जाना जाता है. इसका पानी इतना साफ है, कि इसमें बोटिंग करते वक्त ऐसा प्रतीत होता है जैसे कांच पर तैर रहे हो.

इस नदी में आप बिना तल तक पहुंचे इसके सबसे गहराई में पड़े पत्थर, रह रहे जीवों आसानी से देख सकते हैं. इस तरह का नजारा ब्रेन के लिए किसी थेरेपी से कम नहीं होता है. यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है, लेकिन इस बात का ध्यान रखना बहुत ही जरूरी होता है कि आप वहां किसी भी तरह का कचरा न फैलाएं.



सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, 271 अलग-अलग नदियों में 296 प्रदूषित नदी-हिस्सों की पहचान की है. इसका मतलब है कि देश भर में जिन नदी के हिस्सों की निगरानी की गई, उनमें से लगभग 43% सुरक्षित पानी की गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं. इसका सबसे बड़ा कारण है शहरी सीवेज. इसका 60% से ज्यादा हिस्सा बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे भारतीय नदियों में बहता है, जिसमें औद्योगिक कचरा और खेती से निकलने वाला पानी भी शामिल होता है.

उमंगोट नदी घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से अप्रैल तक माना जाता है. इस समय इस नदी का पानी ज्यादा क्रिस्टल क्लियर नजर आता है. साथ ही इस समय में बोटिंग भी चालू रहती है. यदि आप यहां बरसात के मौसम में पहुंचते हैं, तो न आप बोटिंग कर सकते हैं और न ही इस नदी की खूबसूरती को निहार सकते हैं.

ये नदी मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग से 95 किलोमीटर दूर, भारत-बांग्लादेश सीमा के पास डावकी कस्बे में बहती है. यहां आप गुवाहाटी और शिलॉन्ग ट्रेन या फ्लाइट से पहुंचने के बाद टैक्सी से रोड ट्रिप करते हुए आ सकते हैं. डावकी का मुख्य पुल वाला इलाका बहुत मशहूर है, इसलिए यहां काफी भीड़ मिल सकती है. इसलिए अगर आप शांति से घूमना चाहते हैं और उतना ही साफ और शानदार पानी देखना चाहते हैं, तो उसी नदी के किनारे-किनारे 8 किलोमीटर आगे श्नोंगपडेंग गांव पहुंचकर यहां से बोटिंग करें।

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही इमोशनल हुई ईशा रिखी, फैंस से बोलीं-इमोशनल ब्रेकडाउन हुए

फैंस और सपोर्टर्स का जताया आभार, कहा- यह सफर यादों और इमोशस सो भरा रहा



मुंबई। अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस -20' के घर से बाहर आ गई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को अपने फैंस और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने घर के अंदर बिताए अपने समय को याद किया और बताया कि यह सफर कई तरह के इमोशन से भरा रहा, जिसमें कई बार उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने में भी दिक्कत हुई।

ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुश्किल और चुनौती भरे सफर में उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने लिखा, "बिग बॉस के घर में तीन हफ्ते, इतने सारे इमोशन्स, अनुभव, चुनौतियों, हंसी, आंसुओं और यादों से भरे हफ्ते, जिन्हें मैं हमेशा याद रखुंगी।"

अभिनेत्री ने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, "वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तालियां बजाई और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया।

> "मैं हर राय, मैसेज और इंसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना।
> — ईशा रिंखी

अभिनेत्री ने आगे लिखा, "मैं हर राय, मैसेज आर इंसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी। मुझे पता है कि मैंने आप में से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है, तो मैं दिल से माफी मांगती हूं।"

इस सफर से मिली सीख

ईशा रिखी का कहना है कि बिग बॉस के कई सारे अनुभवों को एक सीख के तौर पर लिया है। अभिनेत्री ने लिखा, "मैं अभी भी सब कुछ समझने की कोशिश कर रही हूं, खुद को बेहतर समझ रही हूं और इस पूरे अनुभव को एक सीख के तौर पर ले रही हूं।

एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूं, वो ये है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया, तब भी जब मैं खुद ज्यादा कुछ कह नहीं पाई और मेरे लिए इसका मतलब शब्दों से कहीं ज्यादा है। मेरे साथ खड़े रहने के लिए, मुझे समझने के लिए और मुझे लगातार सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया। मैं दिल से आप सभी की आभारी हूं।"

ममूटी ने दी 'पंथादिक्कम' को अपनी आवाज

1 अक्टूहर से ओटीटी पर दिखेगा केरल का फुटबॉल जुनून



चेन्नई। मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार ममूटी अब एक्टिंग के साथ एक खास स्पोर्ट्स डॉक्यूमेंट्री से भी जुड़े हैं। ममूटी ने मलयालम की पहली स्पोर्ट्स डॉक्यूमेंट्री 'पंथादिक्कम' को अपनी आवाज दी है। इस पांच एपिसोड की सीरीज में केरल और फुटबॉल के बीच के खास रिश्ते की कहानी है।

डॉक्यूमेंट्री में फुटबॉल के इतिहास, परंपराओं, ल्लब राइवलरी और खेल को लेकर फैंस की दीवानगी को करीब से दिखाया जाएगा। 'पंथादिक्कम' 1 अक्टूबर से जी5 पर स्ट्रीम होगी।

इस डॉक्यूमेंट्री के जरिए दर्शकों को यह देखने का मौका मिलेगा कि केरल में फुटबॉल लोगों की जिंदगी और कल्चर का हिस्सा कैसे बन चुका है। इसमें प्रत्येक एपिसोड करीब 20 मिनट का होगा। सीरीज में केरल में फुटबॉल की शुरुआत से लेकर ल्लब फुटबॉल के शुरुआती दौर, संतोष ट्रॉफी के सुनहरे दौर और फिर आधुनिक प्रोफेशनल फुटबॉल तक के सफर को दिखाया जाएगा।

ममूटी बोले...

"केरल में फुटबॉल एक खेल से कहीं बड़कर है। यह एक ऐसा जज्बा है जो लोगों को साथ लाता है। गलियों और लोकल मैदानों से लेकर इंटरनेशनल मैच देखने के उत्साह तक, इस खेल के लिए लोगों का जुनून ऐसी चीज है, जिसकी मैंने हमेशा सराहना की है। 'पंथादिक्कम' केरल और फुटबॉल के इस खास रिश्ते कों सामने लाती है और उन कहानियों, जश्न और यादों को दिखाती है, जो इसे इतना खास बनाती है।"

सीरीज की खास बातें

- केरल में फुटबॉल की शुरुआत से लेकर क्लब फुटबॉल के शुरुआती दौर तक की कहानी
- संतोष ट्रॉफी के सुनहरे दौर और फिर आधुनिक प्रोफेशनल फुटबॉल तक का सफर
- प्रत्येक एपिसोड करीब 20 मिनट का होगा
- 1 अक्टूबर से जी5 पर स्ट्रीम

निर्माता और निर्देशन

इस डॉक्यूमेंट्री को स्टॉरीज सोशल के तहत डॉ. संगीता जनचंद्रन ने प्रोडयूस किया है। इसका निर्देशन नाइवस लोपेज ने करने के साथ म्यूजिक भी तैयार किया है, जबकि गीतार्थ एआर ने इसकी कहानी लिखी है।

जी5 की ओर से

जी5 के तमिल, तेलुयु और मलयालम बिजनेस हैड लॉपडे सी जेवियर ने कहा, "प्लेटफॉर्म का मकसद ऐसी कहानियां सामने लाना है, जो मलयाली दर्शकों की पसंद, संस्कृति और पहचान से जुड़ी हों।"

इनकी कहानी भी होगी शामिल



सीरीज में भरत की पहली नेशनल एम्प्यूटी फुटबॉल टीम के कप्तान रहे वैसाख एस.आर. की कहानी भी दिखाई जाएगी। उनका सफर संघर्ष, हिम्मत और फुटबॉल के प्रति जुनून की मिसाल है।

फुटबॉल का वैश्विक असर

डॉक्यूमेंट्री में इंटरनेशनल फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों के प्रभाव को भी दिखाया जाएगा। खासतौर पर ब्राजील और अर्जेंटीना की टीमों के लिए केरल के लोगों की दीवानगी किस तरह गलियों और घरों तक पहुंची, इसे भी जगह दी गई है।

पेरिस से लौटते ही ऐश्वर्या राय ने जीता दिल, पैपराजी से बोलीं- आओ ग्रुप फोटो लेते हैं



विश्व केसरी

मुंबई। ग्लोबल आइकन ऐश्वर्या राय बच्चन 'पेरिस फैशन वीक' में जलवा बिखेरने के बाद भारत लौट आई हैं। मंगलवार देर रात, अभिनेत्री पैपराजी के साथ गर्मजोशी से बातचीत करती नजर आईं।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में, पेरिस फैशन वीक से लौटने के बाद ऐश्वर्या राय बच्चन फोटोग्राफर्स से बातचीत करती नजर आईं। कार की ओर बढ़ते समय उन्होंने न केवल एक प्रशंसक को ऑटोग्राफ दिया, बल्कि वहां मौजूद पैपराजी के अनुरोध पर तस्वीरें खिंचवाने के लिए रुक भी गईं। अलग-अलग पोज देने के बजाय, अभिनेत्री ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'आइए, सब लोग मिलकर एक ग्रुप फोटो लेते हैं।'

ऐश्वर्या के इस व्यवहार ने वहां मौजूद सभी फोटोग्राफर्स का दिल जीत लिया और उनके इस सहज व विनम्र रवैये की सराहना भी हो रही है।

दरअसल, अभिनेत्री अभी 'पेरिस फैशन वीक' से लौटी हैं, जहां उन्होंने रैंप पर क्रिस्टल से सजी केप वाली वेलवेट ड्रेस पहनकर वॉक किया था। एक्ट्रेस ने सोमवार, 28 सितंबर को एफिल टॉवर के सामने 'प्लेस जोफ्रे' में आयोजित पेरिस फैशन वीक में हिस्सा लिया। इस शो में केंडल जेनर, इवा लोंगोरिया, सेलीन डियोन, सिमोन एशले, वियोला डेविस, जेन फोंडा, कारा डेलेविंगने और एंडी मैकडॉवेल जैसी ग्लोबल हस्तियां और एंबेसडर शामिल हुए।

स्टेज पर ऐश्वर्या और अन्य ग्लोबल हस्तियां काफी मस्ती करती दिखीं और रैंप वॉक करते समय ऐश्वर्या ने क्राउन भी पहना था।

ग्लोबल फैशन और सिनेमा इवेंट्स से ऐश्वर्या का जुड़ाव 2002 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी पहली मौजूदगी से शुरू हुआ था। उस समय वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं, जिसे इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में दिखाया गया था।

निर्देशक संजय लीला भंसाली और सह-कलाकार शाहरुख खान के साथ, ऐश्वर्या ने पारंपरिक पीली साड़ी में यादगार एंट्री की थी। तीनों एक घोड़ा-गाड़ी में सवार होकर वहां पहुंचे थे।

मैरी कॉम के गिरने पर गौहर खान ने लिया काजी तौकीर का पक्ष, कहा- बच्चों की तरह गिर गईं



विश्व केसरी

मुंबई। रियलिटी शो 'बिग बॉस -20' के हालिया राशन और कप्तानी टास्क के दौरान मैरी कॉम के फिसलकर गिरने पर काजी तौकीर के साथ उनकी बहस हुई। बुधवार को अभिनेत्री गौहर खान ने इस टास्क पर प्रतिक्रिया दी।

गौहर खान ने काजी तौकीर का पक्ष लेते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मैरी कॉम को शारीरिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत और विकसित होने की सलाह दे डाली।

वीडियो में गौहर खान कहती हैं, 'बिग बॉस में हम बहुत टास्क करते थे और हर सीजन में लोगों ने न जाने कितने कास्ट किए होंगे। यहां तक टास्क करने के लिए हम लोग 24 घंटे जागते रहते थे। रातभर टास्क करने, बैल बजाने और टाइमर रखने के लिए और यहां पर देश की बड़ी हस्ती मैरी कॉम, जिनमें इतना स्ट्रैंथ है कि वे अकेले ही किसी को भी पछाड़ सकती हैं। हालांकि, वह कह रही हैं कि काजी का बैग में डालने से वे गिर गई।'

गौहर खान का कहना है कि इस टास्क की चर्चा आने वाले 'वीकेंड का वार' में जरूर हो। उन्होंने कहा, 'मैरी कॉम की ओर से काजी के ऊपर आरोप लगाने की चर्चा वीकेंड का वार में जरूर हो। काजी ने जब हाथ बाहर निकाला तो, मैरी कॉम एक छोटी बच्ची की तरह गिर गई।'

अभिनेत्री का मानना है कि बैग भारी होने की वजह से मैरी कॉम गिर सकती हैं, लेकिन उन्हें इस तरह इल्जाम नहीं लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि वह बैग बहुत भारी था, लेकिन मैरी कॉम से ये उम्मीद नहीं थी। आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से मजबूत होने की जरूरत है।'

दरअसल, बिग बॉस 20 के हालिया राशन और कप्तानी टास्क के दौरान काजी तौकीर अपनी टीम और दोस्तों को जीत दिलाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे थे। नियमों के तहत घरवालों को अपने पसंदीदा का समर्थन करने और दूसरों के बैग से राशन पैकेट निकालने की अनुमति थी।

कॉप के किरदार में नजर आएंगी शीना चौहान, फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' के सफर को बताया शानदार



विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। बुधवार को अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, ''जातस्य मरणं ध्रुवम' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।'

श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं।

फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंघियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुषा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी।

यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।

यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है।

फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

अनिल कपूर ने दिखाई 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट' की तैयारी की झलक,

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर शो की शूटिंग से पहले की तैयारी का एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी टीम के साथ सवाल-जवाब करते, चीजों को समझते और हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो के साथ अनिल ने दिखाया कि कैमरे के सामने दिखने वाले कुछ मिनटों के पीछे घंटों की तैयारी छिपी होती है इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो पर लिखा नजर आ रहा है, ''तैयारी के दिन 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट'।''

वीडियो में अनिल कपूर शो की टीम के साथ बातचीत करते और अलग-अलग चीजों को समझते नजर आ रहे हैं। कभी वह किसी सवाल को लेकर चर्चा करते हैं, तो कभी अपने अंदाज में माहौल को मजाकिया बना देते हैं।

वीडियो शेयर करते हुए अनिल ने कैप्शन में लिखा, ''आप स्क्रीन पर जो देखते हैं, वह कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। इसके पीछे घंटों की तैयारी, रिहर्सल, बातचीत, थोड़ी घबराहट और ढेर सारा अच्छा ह्यूमर था।''

अनिल कपूर इससे पहले भी शो के फॉर्मेट को लेकर बात कर चुके हैं। उन्होंने बताया था कि 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट' में आने वाला हर चैलेंज कंटेस्टेंट की ऑब्जर्वेशन, लॉजिक, प्रेजेंस ऑफ माइंड और दबाव के बीच शांत रहने की क्षमता को परखेगा।

शो में क्विज शो से थोड़ा अलग फॉर्मेट है, जहां सिर्फ यह मायने नहीं रखता कि आपको कितना पता है, बल्कि यह भी देखा जाता है कि आप किसी चीज के बारे में सोचते कैसे हैं।

'इंडिया के टॉप 1 परसेंट: द अनिल कपूर शो' को इस तरह डिजाइन किया गया है कि अलग-अलग उम्र के लोग घर बैठे इसमें हिस्सा ले सकें।

आसियान सदस्यों के साथ सिंगापुर के उच्चायुक्त ने किया ब्रह्मोस मुख्यालय का दौरा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग समेत भारत के विभिन्न शहरों में तैनात आसियान देशों के राजनयिकों ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित ब्रह्मोस मुख्यालय का दौरा किया।

हाई कमिश्नर वोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ब्रह्मोस मुख्यालय के दौरे की तस्वीरें साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'आज (बुधवार) आसियान के सहयोगी देशों के साथ नई दिल्ली में ब्रह्मोस मुख्यालय का दौरा कर आंखें खुल गईं (ये ज्ञान बढ़ाने वाला दौरा था)! भारत के रक्षा उद्योग और ब्रह्मोस के पीछे की इंजीनियरिंग के बारे में और अधिक जानने का यह ये बेहतरीन अवसर था।'



उन्होंने आगे कहा, 'हमारे मेजबानों के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद और इस यात्रा के आयोजन के लिए फिलीपींस दूतावास का भी धन्यवाद!'

बता दें कि भारत से ब्रह्मोस मिसाइल मुख्य रूप से फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया ने खरीदी है या इसे लकेर समझौता किया है। फिलीपींस वो पहला देश है जिसने भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदी। साल 2022 में यह सौदा हुआ था। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों का पहला बैच 2024 में सौंपा गया, जबकि दूसरी खेप अप्रैल 2025 में डिलीवर की गई थी। भारत ने इसी साल वियतनाम के साथ भी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की डील की है, जिसके तहत वियतनाम को मिसाइलें और तटीय रक्षा प्रणाली दी जा रही है। भारत ने मई 2026 में शांगरी-ला डायलॉग के दौरान ऐतिहासिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते की पुष्टि भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने की थी। वहीं इंडोनेशिया के साथ भी जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और स्वदेशी 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल के निर्यात को लेकर एक ऐतिहासिक रक्षा समझौता हुआ।

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी एनपीओएम के सहयोग से मिलकर बनाया गया है। डीआरडीओ के अनुसार, इस प्रणाली को एंटी-शिप और लैंड-अटैक भूमिकाओं के लिए दो वेरिएंट के साथ डिजाइन किया गया है।

सेक्रेटरी जनरल की दौड़ में यूएनसीटीएडी प्रमुख आगे बढ़ीं

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस की जगह लेने के लिए दावेदारों के समर्थन का पता लगाने के लिए सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच हुए अनौपचारिक पोल में यूएनसीटीएडी की प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। यह जानकारी इस गुप्त प्रक्रिया पर नजर रखने वाले सूत्रों से मिली है।

गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट, जो एक पोल में आगे थीं, मंगलवार को हुए सात उम्मीदवारों के चौथे पोल में भी दूसरे स्थान पर बनी रहीं।

वीटो पावर वाले पांच स्थायी सदस्यों की बात ही आखिरी मानी जाएगी। इस महीने काउंसिल के प्रेसिडेंट और फ्रांस के स्थायी प्रतिनिधि जेरोम बोनाफोंट ने बताया कि पोल हो गया है, लेकिन उन्होंने कहा कि तय प्रक्रिया के तहत वे नतीजे नहीं बता सकते।



हालांकि, नतीजे लीक हो गए और '1 फॉर 8 बिलियन' (1एफ8बी), जो निष्पक्ष और खुले चुनाव के लिए कैंपेन करने वाला ग्रुप है, और यूएन की खबरें कवर करने वाली मीडिया साइट 'पास ब्लू' के आंकड़ों से पता चला कि कोस्टा रिका की ग्रिनस्पैन को 15 सदस्यों वाली काउंसिल में 10 पॉजिटिव, तीन नेगेटिव और दो न्यूट्रल वोट मिले।

यह आंकड़ा दो सप्ताह पहले हुए पिछले 'स्ट्रॉ पोल' (अनौपचारिक वोटिंग) की तुलना में उनके लिए एक पॉजिटिव वोट ज्यादा था।सभी सात उम्मीदवारों ने पिछले हफ्ते जनरल असेंबली के हाई-लेवल वीक के दौरान लॉबिंग की, जहां इस बात पर जोर था कि यूएन की कमान किसी महिला को सौंपी जानी चाहिए, क्योंकि पिछले 80 सालों से इसकी अगुवाई पुरुष ही करते आए हैं। 1991 में जेवियर पेरेज डी कुएलर के पद छोड़ने के बाद से 35 सालों तक इस पद पर कोई लैटिन अमेरिकी नहीं रहा है।

संक्षिप्त खबर

पश्चिम एशिया संकट के बीच अमेरिकी सेना छोड़ रही इराक

विश्व केसरी■



बगदाद। पश्चिम एशिया संकट का पटाक्षेप नहीं हुआ है। ईरान समेत क्षेत्र के कई इलाके अभी भी अशांत हैं। ऐसे समय में अमेरिकी सेना इराक में अपना मिशन खत्म कर दिया है। एक दशक से ज्यादा समय के बाद ऐसा हो रहा है। इस गठबंधन ने देश को चरमपंथी समूहों से बचाने में मदद की, हालांकि क्षेत्र में तनाव बढ़ाने के लिए भी जिम्मेदार ठहराया गया। 2014 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह से लड़ने के लिए गठबंधन की सेनाओं को इराक और सीरिया भेजा गया था। इस समूह ने दोनों देशों के बड़े इलाकों को अपने कब्जे में रखा था। आईएस को 2017 में इराक में और 2019 में सीरिया में हरा दिया गया था, लेकिन गठबंधन की सेनाएं समूह के बचे-खुचे लोगों से लड़ने के लिए वहां बनी रहीं। बगदाद और वाशिंगटन 2024 में गठबंधन के मिशन को धीरे-धीरे खत्म करने पर सहमत हुए। इसके बाद गठबंधन की सेनाएं देश भर के ठिकानों से धीरे-धीरे हटने लगीं और उनकी मौजूदगी सिर्फ स्वायत्त उत्तरी कुर्दिस्तान क्षेत्र तक सीमित रह गई। वहां से उनकी अंतिम वापसी बुधवार को है। इराकी सरकार का मानना ??है कि गठबंधन के हटने से ताकतवर चरमपंथी गुटों के पास अपने हथियार बनाए रखने का बहाना खत्म हो जाएगा।

जीएसटी फर्जीवाड़े में जमशेदपुर और बंगाल में ईडी की छापेमारी

विश्व केसरी■



जमशेदपुर। 700 करोड़ रुपये से अधिक के कथित जीएसटी फर्जीवाड़े और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। ईडी की अलग-अलग टीमें जमशेदपुर में उद्योगपति ज्ञान चंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल से जुड़े परिसरों के अलावा पश्चिम बंगाल में भी तलाशी अभियान चला रही हैं। कार्रवाई के दौरान ईडी की टीम कारोबारी लेन-देन, खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, जमशेदपुर में बिष्टुपुर के काट्रैक्टर्स एरिया स्थित जायसवाल के आवास के अलावा बर्मामाइंस, जुगसलाई और आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में उनसे जुड़े कारोबारी परिसरों में तलाशी ली जा रही है। आदित्यपुर के हथियाडीह स्थित शारदा एंडेवर से जुड़े परिसर को भी जांच के दायरे में बताया गया है। ईडी की कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और जांच पूरी होने तक बाहरी लोगों की आवाजाही सीमित रखी गई है। जांच एजेंसी को कथित तौर पर ऐसी कंपनियों और फर्मों के नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली है, जिनके माध्यम से बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के फर्जी इनवॉइस जारी कर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने और उसे आगे बढ़ाने का आरोप है। ईडी इसी कथित फर्जी बिलिंग और उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही है।

फ्रांसः सड़क पर छात्रों का विरोध प्रदर्शन

विश्व केसरी■

पेरिस। स्कूलों में घटती सुविधाओं और बढ़ती परेशानी को लेकर फ्रांस में बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर उतरे। स्कूलों की बदहाल स्थिति और शिक्षकों की कमी को लेकर शुरू हुआ छात्र आंदोलन मंगलवार को कई शहरों में हिंसक हो गया। देशभर में 400 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें बड़ी संख्या में नाबालिग हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

पिछले सप्ताह पेरिस से शुरू हुआ यह आंदोलन अब देश के कई हिस्सों में फैल चुका है। छात्रों ने सैकड़ों हाई स्कूलों के प्रवेश द्वारों को बंद किया। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को करीब 400 स्कूलों में प्रदर्शन या व्यवधान हुआ, जबकि लगभग 40 स्कूलों में पूरी तरह नाकाबंदी की गई।

प्रदर्शनकारी छात्रों की प्रमुख मांगों में कक्षाओं में छात्रों की संख्या कम करना, शिक्षकों और अन्य स्टाफ की कमी दूर करना तथा स्कूलों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। छात्रों ने लंबे और थकाऊ टाइमटेबल के अलावा हाल



की गर्मी के दौरान कक्षाओं में अत्यधिक तापमान को लेकर भी नाराजगी जताई है।

मीडिया आउटलेट ली मोंडे की खबर के मुताबिक उत्तरी शहर लील में प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदानों में आग लगा दी और पुलिस पर बोतलें, पत्थर तथा अन्य वस्तुएं फेंकीं। पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बोर्डो, रेन्न, नांते, मार्सेय और अन्य शहरों में भी छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की खबरें सामने आईं।

फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, सोमवार को ही 164 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और करीब 180 स्कूल प्रभावित हुए थे। मंगलवार को आंदोलन और फैल गया। पुलिस के साथ झड़पों में अब तक दर्जनों सुरक्षाकर्मी और छात्र घायल हुए हैं।

एक ओर छात्र आंदोलनरत हैं तो वहीं फ्रांस में सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी भी सरकार की बजट योजनाओं के खिलाफ हड़ताल और प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार की प्रस्तावित बजट योजना में सार्वजनिक खर्च में कटौती शामिल है। शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग भी हड़ताल में शामिल हुआ है। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्तियन लेकोर्नू ने स्कूलों के आसपास आगजनी और हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि छात्रों, शिक्षकों और पुलिस को खतरे में डालने वाली गतिविधियों को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

एआई का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर 'सुपर इंटेलिजेंस' करेंगेः ट्रंप

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर 'सुपर इंटेलिजेंस' कर देंगे। साथ ही, उन्होंने इंडस्ट्री के खुद नियम बनाने (सेल्फ-रेगुलेशन) का समर्थन किया और चीन के मुकाबले अमेरिका की तकनीकी बढ़त को बनाए रखने का वादा किया।

टेक्नोलॉजी लीडर्स के साथ एक मीटिंग और लंच में ट्रंप ने कहा कि इस बदलाव की घोषणा करने वाले एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनियां स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर काम करेंगी ताकि डेटा सेंटर वहां के लोगों के लिए आर्थिक रूप से अधिक फायदेमंद बन सकें।

ट्रंप ने कहा, 'हम इसका नाम बदलकर 'सुपरइंटेलिजेंस' करने जा रहे हैं, आधिकारिक तौर पर इसका नाम बदला जाएगा। उन्होंने तर्क दिया कि 'आर्टिफिशियल' शब्द इस टेक्नोलॉजी का सही वर्णन नहीं करता है। अमेरिकी सरकार



को लॉन्च करने के लिए हुई एक अलग घोषणा में उन्होंने कहा कि प्रशासन एसआई शॉर्ट-फॉर्म का इस्तेमाल करेगा।

उन्होंने कहा, 'यह, यह बहुत ज़्यादा इंटेलिजेंस है। यह सुपीरियर इंटेलिजेंस है।'

राष्ट्रपति ने नाम बदलने के इस प्रस्ताव को टेक्नोलॉजी के विस्तार और उसमें अमेरिका की लीडरशिप बनाए रखने की बड़ी कोशिश से जोड़ा। उन्होंने अपने साथ मौजूद अधिकारियों की तारीफ की और कहा कि यह इंडस्ट्री इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (औद्योगिक क्रांति) से भी बड़ी साबित हो सकती है।

अखिलेश यादव का सरकार पर निशाना, बोले- हरा और लाल रंग मिलेंगे तो बदलेगा सत्ता का रंग

विश्व केसरी■

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को सरकार पर किसानों, चुनावी प्रक्रिया और प्रदेश के विकास को लेकर निशाना साधा है। राज्यसभा चुनाव में तीसरे प्रत्याशी के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संख्या बल के आधार पर फैसला होना चाहिए और जैसे ही संख्या पूरी होगी, तीसरे उम्मीदवार के नाम का भी ऐलान कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई विधायक सपा के संपर्क में हैं, लेकिन पार्टी किसी से ऐसा वादा नहीं करना चाहती जिसे बाद में पूरा न कर सके।

सपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी तंज कसा। उन्होंने एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि जब हरा और लाल रंग मिलेंगे तो सपा का झंडा बनेगा। हरा रंग किसानों का और



लाल रंग क्रांति का प्रतीक है। दोनों रंग मिलकर सत्ता बदलने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों की अनदेखी की जा रही है। किसानों से वोट जरूर लिए जाते हैं, लेकिन उनके लिए पर्याप्त काम नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनने पर किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए मुफ्त पानी, सस्ती बिजली और फसल तथा गन्ने का भुगतान 24 से 48 घंटे के भीतर कराने की व्यवस्था की जाएगी। राज्यसभा चुनाव में सपा की ओर से प्रो. राम गोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी के नामांकन के बाद तीसरे प्रत्याशी को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश ने कहा कि जैसे ही संख्या पूरी हो जाएगी, तीसरे उम्मीदवार का भी ऐलान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संख्या बल के हिसाब से फैसला होना चाहिए। जिसकी संख्या ज्यादा है, उसे मौका मिलना चाहिए। जब वोटों की गिनती पूरी हो जाएगी, तब तीसरे प्रत्याशी का फैसला सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

गुजरात के आणंद में भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

विश्व केसरी■

आणंद। गुजरात के आणंद जिले में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक प्राइवेट बस और ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के 'एक्स' पोस्ट में पीएम मोदी के हवाले से लिखा गया, 'गुजरात के आणंद में हुए हादसे में लोगों की जान जाने से बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। मैं सभी घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।



घायल बस पैसेंजर गणेश जाधव ने आईएएनएस से कहा, 'हम लोग खाना खा कर बस में सो गए थे। तभी ये हादसा हुआ।'

सिविल अस्पताल नडियाड के सीएमओ डीआरपटेल ने कहा, 'ये सभी सूरत से नाथद्वारा जा रहे थे। तभी लग्जरी बस और ट्रक के बीच एक्सीडेंट हो गया। एक व्यक्ति की रास्ते में ही मौत हो गई थी।'

बता दें कि यह हादसा आणंद-नडियाद के बीच अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर बोरियावी के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, सूरत से राजस्थान जा रही एक निजी बस ओवरटेकिंग लेन में हादसे का शिकार हो गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा तब हुआ जब प्राइवेट बस एक्सप्रेसवे पर ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए।

इस हादसे में 5 जिंदगियां खत्म हो गईं, जिससे मृतकों के परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है।

तमिलनाडु सरकार निजी भागीदारी के साथ 220 करोड़ की परियोजनाएं शुरू करने की बना रही योजना

विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने 220 करोड़ रुपये की लागत वाली दो शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का आकलन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इनमें तंजावुर में एक मल्टीपर्पज कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और थूथुकुडी में एक पुराने बस स्टैंड का पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए पुनर्विकास शामिल है।

तंजावुर कॉर्पोरेशन में बनने वाले कमर्शियल कॉम्प्लेक्स की अनुमानित लागत 130 करोड़ रुपये है जबकि थूथुकुडी कॉर्पोरेशन के पोलपेट्टई इलाके में पुराने बस स्टैंड के रीडेवलपमेंट पर 90 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। तमिलनाडु सरकार के 'प्रोजेक्ट



डेवलपमेंट ग्रांट फंड' के तहत दोनों परियोजनाओं के लिए डिटेल्ड फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने और ट्रांजेक्शन एडवाइजरी सर्विस (लेनदेन संबंधी सलाहकार सेवाएं) देने के लिए सलाहकार नियुक्त करने के लिए टेंडर मंगाए गए हैं।

सलाहकार यह जांच करेगा कि क्या प्रस्तावित परियोजना निजी भागीदारी के साथ लागू की जा सकती है और उनकी वित्तीय व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) का आकलन भी होगा। यह स्टडी अधिकारियों को प्राइवेट डेवलपर्स के चयन की प्रक्रिया शुरू करने से पहले पार्टनरशिप का सही ढांचा तय करने में मदद करेगी।

तंजावुर के मामले में इस आकलन में प्रस्तावित मल्टीपर्पस शॉपिंग और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स शामिल होगा। थूथुकुडी में, इसमें पोलपेट्टी में मौजूद बस स्टैंड के रीडेवलपमेंट के प्रस्ताव की जांच की जाएगी। दोनों प्रस्ताव अभी परियोजना की तैयारी के चरण में हैं।

केंद्र सरकार युवाओं को नशे से बचाने के लिए प्रतिबद्ध-अमित शाह

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात के आतंकवाद-रोधी दस्ता (एटीएस) द्वारा अरब सागर में 526 किलोग्राम ड्रग्स पकड़ने पर गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ी उपलब्धि बताई है।

अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार युवाओं को ड्रग्स की बुराई से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गुजरात एटीएस, इंडियन कोस्ट गार्ड और सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसियों के एक जॉइंट ऑपरेशन में भारत के ईईजेड (एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन) में एक ईरानी नाव से 526 किलोग्राम मेथम्फेटामाइन और हेरोइन जब्त की गई है। यह नाव लक्षद्वीप से 160 नॉटिकल मील उत्तर-पश्चिम और मुंबई से 490 नॉटिकल मील दक्षिण-पश्चिम में थी।'

गृह मंत्री ने आगे कहा, 'इस मामले



में पांच पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और इसके बड़े नेटवर्क तथा ड्रग्स लेने वालों की पहचान करने के लिए आगे की जांच चल रही है। एजेंसियों के बीच बेहतरीन तालमेल और सहयोग का उदाहरण पेश करते हुए 16 दिनों तक चले इस ऑपरेशन में एक ईरानी नाव को भी जब्त किया गया।'

भारतीय तटरक्षक बल ने बताया कि एटीएस गुजरात और सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के साथ मिलकर की गई एक खुफिया जानकारी पर आधारित जॉइंट ऑपरेशन में भारतीय तटरक्षक यूनिट्स ने अरब सागर में लक्षद्वीप के पश्चिम में एक संदिग्ध ईरानी नाव को रोका। नाव की पहचान करने, लगातार पीछा करने और तेजी से कार्रवाई करते हुए उस पर चढ़ने के बाद नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया।

इस ऑपरेशन में 526 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाली हेरोइन और मेथामफेटामाइन जब्त की गई, जिसकी कीमत 3,000 करोड़ से ज़्यादा है।

साथ ही, नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी क्रू सदस्यों को भी पकड़ा गया। पकड़ी गई नाव और उसके क्रू को कई एजेंसियों द्वारा जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया है। भारतीय तटरक्षक बल ने कहा है कि देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों के खिलाफ कार्रवाई के लिए वह पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश



विश्व केसरी ■

काकामिगहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 'एशियन गेम्स 2026' में मेडल सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को जापान के काकामिगहारा में खेले गए सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से मात देकर गोल्ड मेडल मैच में जगह बना ली। अब खिताबी मैच में भारत का सामान चीन से होगा।

1982 के बाद से महिला हॉकी में अपना पहला एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीतने की कोशिश कर रही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखा। सलीमा टेटे की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने ज्यादातर समय बॉल पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन साउथ कोरिया के मजबूत डिफेंस के कारण उन्हें गोल करने के लिए तीसरे क्वार्टर तक इंतजार करना पड़ा।

भारत को पहले क्वार्टर में कई पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन किसी भी मौके को गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। वे ओपन प्ले से भी गोल के करीब पहुंचे, लेकिन नवनीत कौर से मिले बेहतरीन पास के बाद लालरेम्सियामी हमारजोटे गोल नहीं कर पाईं। साउथ कोरिया ने भी दोनों तरफ से अटैक करके भारतीय डिफेंस को परखने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस मजबूत बना रहा और पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के खत्म हुआ।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी दबाव बनाए रखा और पेनाल्टी कॉर्नर से फिर गोल के करीब पहुंचा। नवनीत ने जबरदस्त शॉट लगाया, लेकिन साउथ कोरियाई गोलकीपर ने गोल के सामने डाइव लगाकर शानदार बचाव किया। भारत के लगातार दबाव के बावजूद दक्षिण कोरिया डटा रहा और हाफ-टाइम तक स्कोर 0-0 रहा।



भारतीय महिला टीम आर्चरी टीम फाइनल पहुंची, दक्षिण कोरिया को हराया

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। चिकिथा तानिपार्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने बुधवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 234-233 से हराया। फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला चीन से होगा। कोरिया चीनी ताइपे के साथ ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेगा।

भारत ने एंड 1 में तीन शॉट में 29 का स्कोर कर अच्छी शुरुआत की। चिकिथा और ज्योति दोनों ने 10 का स्कोर किया, जबकि पृथिका ने 9 का स्कोर किया। हालांकि, कोरिया ने परफेक्ट 30 से शुरुआत की। भारतीय तिकड़ी ने एंड 1 के दूसरे हाफ में परफेक्ट 30 के साथ जल्दी ही वापसी की। दक्षिण कोरिया की येरिन पार्क ने 9 का स्कोर किया और एंड 1 के बाद स्कोर 59-59 से बराबर हो गया।

चिकिथा ने एंड 2 में 9 का स्कोर किया और पृथिका तथा ज्योति ने 10 का स्कोर किया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ियों के लगातार तीन 9 के स्कोर से भारत 88-86 से आगे हो गया। इसके बाद भारत ने दो इनर 10 और एक 10 का स्कोर किया। पार्क ने फिर 9 का स्कोर किया और भारत की बढ़त 118-115 हो गई।



कोरिया ने एंड 3 की शुरुआत दो 10 और एक 9 के साथ की। भारत के लिए ज्योति ने 9 का स्कोर किया। इसके बाद कोरिया ने तीन परफेक्ट 10 लगाए, जबकि भारत ने इस एंड में कुछ पॉइंट गंवाए और बढ़त सिर्फ एक पॉइंट, 174-173, रह गई।

कोरिया के पास एंड 4 में वापसी करने का मौका था और उसने दो 10 और एक 9 के साथ शुरुआत की। भारत के लिए चिकिथा ने 9 के साथ शुरुआत की, लेकिन पृथिका और ज्योति ने 10 लगाकर बढ़त बनाए रखी। आखिरी तीन तीरों में कोरिया और भारत दोनों ने दो 10 और एक 9 लगाए और 234-233 से जीत के साथ गोल्ड मेडल मैच में अपनी बढ़त बनाए रखी।

भारत ने हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में रिकॉर्ड नौ मेडल जीते थे। इसमें पांच गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज थे।

लवलीना नताल्या बोगदानोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं



विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवो को स्प्लिट फैसले में 3-2 से हराया।

इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज से देश को गोल्ड मेडल की आस है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स में फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने जबरदस्त वापसी की। पहले राउंड में लवलीना लय में दिखाई नहीं दीं और उन्हें यह राउंड 2-3 से गंवाना पड़ा। हालांकि, इसके बाद भारतीय मुक्केबाज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया, जिसका असर उनके खेल में भी नजर आया। लवलीना ने दूसरा और फिर तीसरा राउंड अपने नाम किया। लवलीना के एक के बाद दमदार पंचों के आगे कजाकिस्तान की महिला मुक्केबाज मुश्किल में दिखाई दी। दूसरे राउंड में लवलीना को पांच जजों की ओर से 10-10 प्वाइंट मिले। वहीं, तीसरे राउंड में दो जज ने लवलीना को 10, जबकि तीन जजों ने 9 प्वाइंट दिए।

हालांकि, भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया घंघस को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

सुनील कुमार ने ग्रीको-रोमन रेसलिंग में जीता ब्रॉन्ज मेडल



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया।

सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं।

हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई।

सुनील ने ढील देने का कोई संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने एक और 'पैसिविटी' स्थिति का फायदा उठाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचे गिराकर बढ़त को 7-0 कर दिया, जिससे रॉबर्ट्स भारतीय खिलाड़ी के लगातार हमलों का जवाब खोजने के लिए संघर्ष करते दिखे।

इसके कुछ ही देर बाद मुकाबला खत्म हो गया। सुनील ने एक और स्कोरिंग मूव करते हुए दो और प्वाइंट्स हासिल किए और 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के लिए जरूरी नौ प्वाइंट्स के अंतर तक पहुंच गए, जिससे मुकाबले का शानदार अंत हुआ।

यह ब्रॉन्ज मेडल उनके करियर में एक और अध्याय जोड़ता है, जिसमें पहले से ही छह एशियन चैंपियनशिप मेडल शामिल हैं। अब सुनील कॉन्टिनेंटल गेम्स में एक से ज्यादा ग्रीको-रोमन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

पोडियम पर उनकी यह हालिया सफलता ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल टैली में भारत की मौजूदगी को बनाए रखती है। ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद सुनील एशियन गेम्स के मंच पर सफलता हासिल करने वाले नवीनतम भारतीय एथलीट बन गए हैं।

नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने शूटिंग इवेंट में जीता दिलाया गोल्ड मेडल

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल आया है। शूटिंग के मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को इस टूर्नामेंट का 9वां गोल्ड मेडल दिलाया।

नीरू और किनान की जोड़ी ने 34 प्वाइंट्स अर्जित करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, कतर ने 32 प्वाइंट्स हासिल करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन 23 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। ईरान फाइनल में 12 प्वाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहा। नीरू का यह एशियन गेम्स 2026 में तीसरा मेडल है। इससे पहले, नीरू ने महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। इसके साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। वह ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। मिक्स्ड ट्रैप इवेंट के फाइनल में नीरू और किनान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली सीरीज में 6 प्वाइंट हासिल किए, जबकि दूसरी सीरीज में यह भारतीय जोड़ी 16 प्वाइंट अर्जित करने में कामयाब रही। तीसरी सीरीज के अंत तक भारत ने 26 प्वाइंट हासिल किए और चौथी और आखिरी सीरीज में स्कोर को 34 पर पहुंचाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

बुधवार को यह भारत ने तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले, आर्चरी के मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में राजेश जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने देश को गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने रोमांच से भरपूर फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया को शूट-ऑफ में हराया। भारत और साउथ कोरिया का स्कोर 157-157 रहा, जिसके बाद विजेता का फैसला शूट-ऑफ से किया गया, जहां भारतीय जोड़ी बाजी मारने में सफल रही।वहीं, भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने देश को दिन का पहला गोल्ड मेडल दिलाया। चिकिता तनिपार्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा की तिकड़ी ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, दक्षिणेश्वर सुरेश हारकर प्रतियोगिता से बाहर

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के सुमित नागल ने बुधवार को एशियन गेम्स 2026 में मेंस सिंगल्स मुकाबले में उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन को सीधे सेटों में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दक्षिणेश्वर सुरेश का सफर तीसरे दौर में हार के साथ समाप्त हो गया।

सातवीं वरीयता प्राप्त नागल ने फोमिन के खिलाफ संयमित खेल दिखाते हुए 6-3, 6-2 से जीत हासिल की और अंतिम आठ में अपनी जगह सुनिश्चित की। वर्ल्ड नंबर 249 भारतीय खिलाड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान अपना संयम बनाए रखा और मौकों का फायदा उठाते हुए बिना किसी निर्णायक सेट की नौबत आए मैच जीत लिया।

क्वार्टर फाइनल में नागल के सामने चीन के तीसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वू यिबिंग की कड़ी चुनौती होगी। वर्ल्ड नंबर 111 चीनी खिलाड़ी ने इससे पहले नागल को उनके एकमात्र मुकाबले में हराया था।



नागल दूसरे दौर में साउथ कोरिया के सियोंगचन होंग को 6-4, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में पहुंचे थे। सोमवार को खराब मौसम के कारण उनका मैच रोकना पड़ा था, तब नागल पहले सेट में 3-2 से आगे थे; इसके बाद मंगलवार को खेल फिर से शुरू हुआ। खेल दोबारा शुरू होने के बाद होंग ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लगातार आठ अंक जीते और 4-3 से आगे हो गए। हालांकि, नागल ने जोरदार वापसी की और लगातार नौ गेम जीतकर मुकाबले पर अपनी पकड़ बना ली और सीधे सेटों में जीत हासिल की।

इससे पहले भारतीय खिलाड़ी को 2024 इंडियन वेल्स मास्टर्स के क्वालीफाइंग मुकाबले में होंग से हार का सामना करना पड़ा था। एशियन गेम्स से पहले डेविस कप में भी दक्षिण कोरिया के खिलाफ उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, जहां वे ह्योन चुंग और सूनवू क्वोन से हार गए थे।

वहीं, दक्षिणेश्वर, जो इंडोनेशिया के गुनावन ट्रिस्मुवंतारा को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में पहुंचे थे, चीनी ताइपे के छठी वरीयता प्राप्त चुन-हिसन त्सेंग को नहीं हरा सके। भारतीय खिलाड़ी 3-6, 4-6 से हार गए, जिससे उनका पुरुष एकल का सफर खत्म हो गया। दक्षिणेश्वर ने दूसरे दौर में गुनावन के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (2) से जीत हासिल की थी; यह एशियाई खेलों में उनका पहला मुकाबला था।

चीन की 17 साल की यांग सिकी ने शॉर्टबोर्ड में सिल्वर जीता

विश्व केसरी ■

नागोया। चीन की 17 साल की यांग सिकी ने 2026 एशियन गेम्स में महिलाओं के शॉर्टबोर्ड में सिल्वर मेडल जीता। फाइनल में उन्हें जापान की मिराई इकेडा से हार का सामना करना पड़ा।

यांग ने अच्छी शुरुआत की, अपनी पहली दो वेव पर 4.00 और 3.57 पॉइंट स्कोर करके शुरुआती बढ़त बना ली। लेकिन इकेडा छोटी वेव मिलने के बावजूद स्कोरिंग के मौके ढूढ़ती रहीं और कई दांव लगाकर यांग से आगे निकल गईं।

यांग दूसरे हाफ में कोई और वेव नहीं ढूंढ़ पाईं और आखिर में 11.64-7.57 से हार गईं। जापान की मिनामी नोनाका ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

फाइनल के बाद यांग ने कहा, 'कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि मैंने काफी अच्छा परफॉर्म किया। मुझे लगता है कि इस बार मैं ज्यादा परिपक्व हूं और मेरे खेल में निरंतरता भी है। मैं अपने खेल के विकास को महसूस कर सकती हूँ। यांग ने कहा कि वह पीछे होने के बावजूद शांत रहीं और जल्दी अपनी प्राथमिकता का इस्तेमाल करने के लालच से खुद को रोका।



हालांकि, गोल्ड न जीत पाने का मलाल यांग को था और इस वजह से उनकी आंखों में आंसू भी आए।

उन्होंने कहा, 'मैं एक अच्छी वेव का इंतजार कर रही थी, लेकिन वह कभी नहीं आई। यह काफी निराशाजनक है क्योंकि मुझे लगा कि मेरे पास खिताब जीतने का मौका था।

यांग ने 2024 में पेरिस ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई किया और ओलंपिक बर्थ बुक करने वाली पहली चीनी सर्फर बनीं। पुरुषों के शॉर्टबोर्ड फाइनल में, टोक्यो ओलंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट जापान के कनोआ इगाराशी ने इंडोनेशिया के आई मेड पजार एरियाना को हराकर गोल्ड मेडल जीता। फिलीपींस के जयुआर्ड एल्सिसो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आइची-नागोया गेम्स में सर्फिंग ने आधिकारिक तौर पर एशियन गेम्स के खेल के तौर पर डेब्यू किया, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के शॉर्टबोर्ड इवेंट 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स के लिए क्वालीफायर के तौर पर भी काम करेंगे।

यूपीआई के दबदबे वाले बाजार में एप्पल पे की एंट्री, आईफोन यूजर्स को मिलेगा आसान और सुरक्षित पेमेंट का विकल्प



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में अपनी डिजिटल भुगतान सेवा एप्पल पे लॉन्च कर दी है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में एप्पल पे की एंट्री हुई है जब भारत दुनिया के सबसे उन्नत डिजिटल भुगतान बाजारों में से एक है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) देश के कुल डिजिटल भुगतान लेनदेन का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संभालता है।

मार्केट रिसर्च फर्म सीएमआर के इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट प्रभु राम ने कहा कि एप्पल पे का भारत में लॉन्च कंपनी के हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सेवाओं के इकोसिस्टम को और मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि एप्पल अब अपने ग्राहकों को एकीकृत और सहज भुगतान अनुभव प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

फिलहाल एप्पल पे एक्सिस बैंक द्वारा जारी वीजा और मास्टर कार्ड क्रेडिट कार्ड्स को आईफोन, आईपैड और एप्पल वॉच पर सपोर्ट करेगा। कंपनी जल्द ही मैक डिवाइसों के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

प्रभु राम ने कहा कि भारत के चौथे सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता एक्सिस बैंक के साथ शुरुआत एप्पल के लिए महत्वपूर्ण है। बैंक के पास लगभग 1.62 करोड़ सक्रिय क्रेडिट कार्ड हैं। वहीं देश में कुल क्रेडिट कार्ड संख्या 12.2 करोड़ से अधिक हो चुकी है और कॉन्टैक्टलेस भुगतान का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है।

हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि एप्पल पे के आने से यूपीआई की स्थिति पर कोई बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है। उनके अनुसार, यूपीआई भारतीय उपभोक्ताओं के रोजमर्रा के भुगतान का मुख्य आधार बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि एप्पल पे का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यह एप्पल डिवाइस इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए कार्ड भुगतान को अधिक सहज और सुविधाजनक बना देगा तथा एप्पल के इकोसिस्टम के साथ उनकी जुड़ाव को और मजबूत करेगा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक का भी मानना है कि एप्पल पे भारतीय बाजार में कार्ड उपयोग को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने कहा कि चेकआउट के समय ओटीपी की आवश्यकता समाप्त होने से एप्पल डिवाइस उपयोगकर्ताओं के लिए भुगतान प्रक्रिया कहीं अधिक आसान हो जाएगी।

पाठक के अनुसार, सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि आने वाले समय में कितने बड़े बैंक एप्पल पे प्लेटफॉर्म से जुड़ते हैं। यदि अधिक बैंक इसमें शामिल होते हैं तो इसके संभावित उपयोगकर्ताओं का दायरा तेजी से बढ़ सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत में यूपीआई अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखेगा, लेकिन एप्पल पे से एप्पल को अपने प्रीमियम ग्राहक आधार के बीच एक बेहतर और अधिक एकीकृत भुगतान अनुभव देने का अवसर मिलेगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक, कोविड-19 के बाद भारत में क्रेडिट कार्ड उपयोग और एनएफसी (नियर फील्ड कम्युनिकेशन) आधारित भुगतान प्रणाली दोनों में दो अंकों की दर से वृद्धि हुई है। इसी कारण एप्पल पे को भारत में बढ़ती डिजिटल भुगतान आदतों का लाभ मिल सकता है। कंपनी के अनुसार, एक्सिस बैंक के वीजा और मास्टर कार्ड क्रेडिट कार्ड धारक अपने कार्ड एप्पल पे में जोड़कर देशभर के हजारों ऑफलाइन और ऑनलाइन व्यापारियों के यहां भुगतान कर सकेंगे। इसके अलावा, जहां भी एनएफसी भुगतान स्वीकार किए जाते हैं, वहां एप्पल पे का उपयोग किया जा सकेगा। एप्पल ने कहा कि यह सेवा ग्राहकों को स्टोर्स, मोबाइल ऐप्स और वेबसाइटों पर तेज, सुरक्षित और निजी भुगतान अनुभव देगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 27 में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमानः एसएंडपी ग्लोबल



विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 26 में 7.8 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है और वित्त वर्ष 27 में इसके करीब 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी एसएंडपी ग्लोबल-क्रिसिल की रिपोर्ट में बुधवार को दी गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल अनिश्चितता और अमेरिका के ऊंचे टैरिफ के बावजूद भारत की मजबूती, देश की घरेलू आर्थिक ताकतों को दिखाती है। हालांकि, जैसे-जैसे देश विकास के अगले चरण में प्रवेश करेगा, विकास दर के थोड़ा धीमा होने की उम्मीद है।

'इंडिया फॉरवर्डः रीइमैजिनिंग ग्रोथ' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में देश की विकास दर के घटकर लगभग 7 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

हालांकि, इसमें कहा गया है कि अगर भारत अपनी मैक्रो-इकोनॉमिक मजबूती को लंबे समय तक चलने वाली ग्रोथ की रफ्तार में सफलतापूर्वक बदल पाता है, तो वह अपनी विकास की गति को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में रहेगा।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के प्रेसिडेंट और क्रिसिल के बोर्ड चेयरमैन, यान ले पैलेक ने कहा कि भारत के पास इन्फ्रास्ट्रक्चर के लगातार विकास, अधिक प्रतिस्पर्धी संघवाद, गहरे पूंजीगत बाजार और मजबूत फाइनेंशियल इंटरमीडिएशन के जरिए अपनी आर्थिक मजबूती को और बढ़ाने का एक बड़ा मौका है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की उम्मीद से बेहतर ग्रोथ घरेलू मांग की मजबूती और तेजी से बदलते अनिश्चित वैश्विक माहौल में भी अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने की क्षमता को दिखाती है।

इसमें कहा गया कि देश की ग्रोथ का अगला चरण निवेश की रफ्तार बनाए रखने और अहम आर्थिक संस्थानों को मजबूत करने पर निर्भर करेगा।

भू-राजनीतिक मोर्चे पर, अध्ययन में यह सुझाव दिया गया कि भारत वैश्विक मामलों में खुद को एक 'बैलेंसिंग पावर' के बजाय एक 'लीडिंग पावर' के तौर पर स्थापित कर रहा है।

रिपोर्ट में होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली आपूर्ति में रुकावट के बाद ऊर्जा सुरक्षा को एक अहम चिंता के तौर पर भी बताया गया है।

भारत का आधे से ज्यादा कच्चा तेल आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है, जिससे यह देश इस रणनीतिक जलमार्ग में होने वाली रुकावटों से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में से एक बन जाता है।

रिपोर्ट में डिजिटल रुपए की बढ़ती संभावनाओं की ओर भी इशारा किया गया है और कहा गया है कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चौथी परत के तौर पर उभर सकती है।

इसमें कहा गया है कि डिजिटल रुपया प्रोग्रामेबल मनी को संभव बना सकता है और तेजी से टोकनाइज हो रही ग्लोबल इकॉनमी में सीमा-पार व्यापार और रेमिटेंस को सॉवरेन करेंसी (सरकारी मुद्रा) से जोड़े रखने में मदद कर सकता है।

दिल की बीमारी के ये शुरुआती संकेत भूलकर भी न करें नजरअंदाज, जानें शरीर कैसे देता है चेतावनी

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। दिल हमारे शरीर का वह हिस्सा है, जो बिना रुके दिन-रात काम करता रहता है। दिल लगातार शरीर के हर हिस्से तक खून और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। परेशानी तब शुरू होती है, जब दिल या उसे खून पहुंचाने वाली नसों में किसी तरह की समस्या पैदा होने लगती है। कई बार शरीर इसकी जानकारी अचानक नहीं देता, बल्कि उससे पहले छोटे-छोटे संकेत देता रहता है। दिक्कत यह है कि इन संकेतों को अक्सर गैस, थकान, तनाव, कमजोरी या बढ़ती उम्र का असर समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

हर साल 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है। इस मौके पर कई संस्थान कैंपेन के जरिए लोगों को दिल की बीमारी के उन संकेतों के बारे में जागरूक करते है, जिन्हें लोग अक्सर हल्के में ले लेते है।

दिल की बीमारी का मतलब सिर्फ हार्ट अटैक नहीं है। कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हार्ट फेलियर और दिल की धड़कन से जुड़ी समस्याएं भी इसके दायरे में आती हैं। इसलिए शरीर में होने वाले बदलावों को समझना जरूरी है। मेडिकल रिसर्च और अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की जानकारी के मुताबिक इन संकेतों पर खास तौर पर ध्यान देना जरूरी है।

सीने में दबाव, भारीपन या जलन: हार्ट अटैक में हमेशा तेज दर्द ही हो, ऐसा जरूरी नहीं है। सीने के बीच में दबाव, जकड़न, भारीपन, जलन या असहजता भी चेतावनी हो सकती है। यह कुछ मिनट तक रह सकती है या बीच में ठीक होकर दोबारा शुरू हो सकती है। इसे सिर्फ गैस या एसिडिटी समझकर नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

सांस फूलना: सामान्य काम करने, थोड़ा चलने या सीढ़ियां चढ़ने पर पहले के मुकाबले ज्यादा सांस फूलने लगे तो इसे भी गंभीरता से लेना चाहिए। हार्ट फेलियर में सांस फूलना धीरे-धीरे बढ़ सकता है और कुछ लोगों को रात में अचानक सांस लेने में परेशानी के कारण नींद से उठना पड़ सकता है।

बिना वजह ज्यादा थकान: अगर रोज के सामान्य काम करने में भी असामान्य थकान महसूस हो रही है, तो इसका कारण सिर्फ नींद की कमी या काम का दबाव नहीं हो सकता। खासकर महिलाओं में असामान्य थकान और कमजोरी हार्ट अटैक से जुड़े लक्षणों में शामिल हो सकते हैं।

हाथ, पीठ, गर्दन या जबड़े में दर्दः दिल से जुड़ी परेशानी का असर सिर्फ सीने तक सीमित नहीं रहता। दर्द या दबाव एक या दोनों हाथों, कंधे, पीठ, गर्दन या जबड़े तक पहुंच सकता है। महिलाओं में पीठ, कंधे या जबड़े का दर्द कभी-कभी कम सामान्य लगने वाला हार्ट अटैक लक्षण हो सकता है।

पैरों और टखनों में सूजन: पैरों, टखनों या शरीर के दूसरे हिस्सों में लगातार सूजन को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हार्ट फेल्योर में दिल की पंपिंग क्षमता कम होने पर शरीर में अतिरिक्त तरल जमा हो सकता है।

पेट की चर्बी से हैं परेशान? रोज करें उत्तानपादासन, जानें इसके फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक स्वास्थ्य और आंतरिक ऊर्जा के संतुलन के लिए योग एक अत्यंत प्रभावी साधन है। इन्हीं यौगिक अभ्यासों में से 'उत्तानपादासन' है, जो न सिर्फ पेट की चर्बी को कम करता है बल्कि शरीर में नई ऊर्जा और संतुलन भी लाता है।



यह योगासन हठयोग के अंतर्गत ही आता है। हठयोग के आधुनिक और पारंपरिक अभ्यासों में शरीर को स्थिर और सुदृढ़ बनाने के लिए कई आसनों का वर्णन है, जिनमें से उत्तानपादासन एक महत्वपूर्ण आसन है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्तानपादासन पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों में एक बेहद महत्वपूर्ण योगासन है। संस्कृत में 'उत्तान' का अर्थ 'ऊपर उठा हुआ' और 'पाद' का अर्थ 'पैर' होता है। साधारण शब्दों में इसका अर्थ है 'पैरों को ऊपर उठाकर की जाने वाली मुद्रा'। इस आसन को करने के दौरान पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को जमीन से एक निश्चित कोण पर ऊपर उठाया जाता है, जिससे यह नाभि केंद्र (मणिपुर चक्र) को संतुलित करने में मदद करता है।

उत्तानपादासन का मुख्य प्रभाव हमारे नाभि केंद्र (मणिपुर चक्र) और पेट के निचले भाग पर पड़ता है। यह आसन विशेष रूप से पाचन तंत्र को मजबूत करने, पेट की मांसपेशियों को सुडौल बनाने और नाभि को उसके सही स्थान पर संतुलित रखने के लिए जाना जाता है। जो गैस, कब्ज, एसिडिटी या मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह आसन अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है। इसके अलावा, यह रीढ़ की हड्डी और जांघों की मांसपेशियों को भी शक्ति प्रदान करता है।

यह आसन न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद कारगर है। इस आसन को नियमित रूप से करने से शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है और नर्वस सिस्टम संतुलित रहता है, जिससे अवसाद , तनाव और चिंता जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिलती है।

इस आसन को करने के दौरान गहरी सांस लेते हुए पैरों को ऊपर उठाया जाता है, तो मन एकाग्र होता है और दिमाग को शांति मिलती है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist
Mo. 9827189170
9200668168
Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home
Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

राजस्थानः करौली में पुलिस और आमजन ने लगाई फिटनेस की दौड़, खिलाड़ी भी हुए शामिल

विश्व केसरी ■

करौली। राजस्थान के करौली में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को जिला मुख्यालय पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से मुंशी त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम तक आयोजित दौड़ में पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ खिलाड़ी, शहरवासी तथा सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच विश्वास मजबूत करने के साथ फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश देना रहा।

मैराथन में पुलिस और आमजन ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतिभागियों ने महाविद्यालय से दौड़ शुरू कर मुंशी ?त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम तक का सफर पूरा किया। रास्ते में युवाओं और खिलाड़ियों में खासा उत्साह नजर आया।

एएसपी रामकुमार कस्वां ने बताया कि पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में मैराथन दौड़ और खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को फिट रखने के साथ आमजन को भी स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना और पुलिस तथा जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि करौली में आयोजित मैराथन में पुलिसकर्मियों के साथ आमजन और खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इस तरह के आयोजन से पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद और विश्वास का माहौल बनता है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इसी तरह की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम में डीएसपी किशोर भदौरिया, पुलिस अधिकारी, जवान, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे। सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं ने भी दौड़ में भाग लेकर फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

गुजरात के पोषण अभियान में 2.43 करोड़ गतिविधियां संपन्न हुईं, जागरूकता अभियान तेज

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। गुजरात ने 'पोषण माह-2026' के दौरान पोषण संबंधी 2.43 करोड़ से अधिक गतिविधियां दर्ज की हैं। राज्य का मुख्य उद्देश्य आहार विविधता, नियमित विकास निगरानी और बच्चे के जीवन के पहले 1,000 दिनों के दौरान देखभाल के माध्यम से कुपोषण से निपटना है।

राज्यव्यापी अभियान 'अपनी आंगनवाड़ी, अपनी जिम्मेदारी' का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मनीषा वकील ने किया। इस अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ-साह्यथ स्वास्थ्य, पंचायत, ग्रामीण विकास और शिक्षा विभाग, स्थानीय स्वशासन निकाय, आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह, अभिभावक और समुदाय शामिल हैं।

27 सितंबर तक दर्ज की गई 24 लाख से अधिक गतिविधियों में से महिला एवं बाल विकास विभाग की 56.13 लाख गतिविधियां थीं, जबकि अन्य विभागों और संबद्ध एजेंसियों द्वारा लगभग 18 लाख गतिविधियां संचालित की गईं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, आयुष विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायत विभाग और शिक्षा विभाग पांच प्रमुख योगदानकर्ता थे।

जिला स्तर पर, महिसागर, वलसाड, पाटन, आनंद और मेहसाना में सबसे अधिक गतिविधियां दर्ज की गईं। वलसाड में, जिला कलेक्टर ने अभियान के तहत 'पोषण जागृति' रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी
Diwali Special Offer
पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बैटरी स्प्रेयर, स्प्रेयर
निर्माण कार्य | कृषि कार्य | ग्रामीण क्षेत्र | उद्योग एवं प्रोसेसिंग | सिंचाई एवं बागवानी | किसानों हेतु उपयुक्त
निर्माता व विक्रेता :
वीनस मशीनरी
चित्रकांत बघेल (डायरेक्टर)
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजु में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक
एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी
सस्ते दामों में उपलब्ध
पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये
बजाज फाईनेंस की सुविधा उपलब्ध
गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure
Noorjaha Prime
DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN
City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993
: H.O. :
• Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994
: OUTLETS :
• Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

समुद्र में साथ आगे बढ़ेंगे भारत व आसियान देश, 'सुबिक बे' में शुरू हुआ एआईएमई-2026

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। समुद्र में आपसी तालमेल और सहयोग को नई मजबूती देने के लिए भारत और आसियान देशों की नौसेनाएं एक साथ उतरी हैं।

इस पहल के तहत फिलीपींस के सुबिक बे में दूसरे आसियान-भारत समुद्री अभ्यास एआईएमई-2026 की शुरुआत हो गई है। यहां भारतीय नौसेना के आईएनएस सह्याद्रि और आईएनएस कुलिश हिस्सा ले रहे हैं। इनके साथ आसियान देशों की समुद्री सेनाएं भी अभ्यास कर रही हैं। इस बार अभ्यास की थीम 'विश्वास में जुड़े, समुद्र में एकजुट' है। यानी विभिन्न देशों का लक्ष्य यहां सिर्फ समुद्र में सैन्य अभ्यास करना नहीं, बल्कि अलग-अलग देशों की समुद्री सेनाओं के बीच भरोसा, समझ और आपसी तालमेल को और मजबूत करना है।



इस अभ्यास में पहले बंदरगाह व फिर समुद्र में नौसेनाओं के बीच तालमेल दिखेगा। अभ्यास की शुरुआत उद्घाटन समारोह से हुई। इसमें फिलीपींस में भारत के राजदूत हर्ष कुमार जैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने अभ्यास में हिस्सा ले रही विभिन्न देशों की समुद्री सेनाओं को संबोधित किया। अभ्यास का पहला चरण बंदरगाह चरण है। इसमें नौसैनिक विशेषज्ञ एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव और जानकारी साझा करेंगे। खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। सामुदायिक गतिविधियों के जरिए भाग लेने वाली सेनाओं के बीच आपसी मेलजोल बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही समुद्र में संयुक्त रूप से काम करने के लिए ऑपरेशनल तालमेल को बेहतर बनाने पर भी फोकस किया जाएगा।

समुद्री चरण शुरू होने से पहले अभ्यास में शामिल सेनाओं को जरूरी जानकारी दी जाएगी और आगे की गतिविधियों की तैयारी की जाएगी। बंदरगाह चरण पूरा होने के बाद यह अभ्यास समुद्र में पहुंचेगा। समुद्री चरण के दौरान भारत और आसियान देशों की समुद्री सेनाएं मिलकर विभिन्न समुद्री अभ्यास और परिचालन गतिविधियां करेंगी। इन गतिविधियों के जरिए सेनाएं एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को करीब से समझेंगी। साथ ही समुद्र में मिलकर काम करने की क्षमता को मजबूत किया जाएगा।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के जरिए आपसी समझ, परिचालन समन्वय और संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता बढ़ाना इस चरण का अहम उद्देश्य है। एआईएमई-2026 में आईएनएस सह्याद्रि और आईएनएस कुलिश की भागीदारी भारत और आसियान देशों के बीच बढ़ते समुद्री सहयोग को दिखाती है। नौसेना के मुताबिक यह अभ्यास भारत की एक्ट ईस्ट नीति और महासागर की परिकल्पना के अनुरूप है।

इस तरह सुबिक बे में शुरू हुआ यह अभ्यास सिर्फ युद्धपोतों और समुद्री गतिविधियों तक सीमित नहीं है। इसके जरिए भारत और आसियान देशों की समुद्री सेनाएं एक-दूसरे को समझने, साथ काम करने और समुद्र में बेहतर तालमेल बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का उद्देश्य सुरक्षित रक्त

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्त (खून) एक जरूरी तरल संयोजी ऊतक है, जो शरीर को जीवित रखने और सुचारू रूप से काम करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मानव शरीर में खून की तीन मुख्य प्रकार की कोशिकाएं होती हैं, जो शरीर की सेहत और कार्यक्षमता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।

मानव रक्त में आरबीसी (लाल रक्त कणिकाएं), डब्ल्यूबीसी (श्वेत रक्त कणिकाएं) और प्लेटलेट्स तीन मुख्य प्रकार की कोशिकाएं होती हैं। शरीर में आरबीसी का काम फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के सभी अंगों और ऊतकों तक पहुंचाना एवं कार्बन डाइऑक्साइड को वापस लाना है। डब्ल्यूबीसी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत करती हैं और शरीर को संक्रमण तथा बीमारियों से बचाने के साथ लड़ने में मदद करती हैं। वहीं, प्लेटलेट्स रक्त का थक्का जमाने में मदद करती हैं, जिससे चोट लगने पर ज्यादा खून न बहे।

सुरक्षित रक्त की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वैच्छिक रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करने के लिए प्रत्येक वर्ष 1 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत सबसे पहले 1 अक्टूबर 1975 को डॉ. जय गोपाल जॉली के मार्गदर्शन में इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एंड इम्यूनोहेमेटोलॉजी द्वारा की गई थी।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का उद्देश्य सुरक्षित रक्त की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना, स्वैच्छिक दाताओं का सम्मान करना और रक्तदान को लेकर लोगों के मन से डर व भ्रांतियों को दूर करना है। इस वर्ष राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की थीम 'मानवता की एक बूंद- रक्तदान करें- जीवन बचाएं' है।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस को लेकर देशभर में मेडिकल संस्थानों द्वारा विभिन्न जागरूकता अभियान और शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि सुरक्षित रक्त की आवश्यकता के प्रति लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाई जाए और स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए उन्हें प्रेरित किया जा सके।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के खास अवसर पर, अगर कोई व्यक्ति रक्तदान करना चाहता है, तो व्यक्ति पूरी तरह से स्वस्थ होना चाहिए।

महिला सुरक्षा को लेकर दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रों ने तेज किया प्रदर्शन, कहा-'जिम्मेदारी ले सरकार'

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के छात्रों ने अपना विरोध-प्रदर्शन तेज कर दिया है। छात्र पोस्टर और तख्तियां लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं। वे महिलाओं पर लगाई जाने वाली पाबंदियों का विरोध कर रहे हैं और यौन हिंसा की घटनाओं को लेकर जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

इन प्रदर्शनों में दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेजों के छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं। इनमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज फॉर विमेन, मिरांडा हाउस, लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर), कमला नेहरू कॉलेज और गार्गी कॉलेज के छात्र शामिल हैं। प्रदर्शन के दौरान छात्रों के तीखे और शब्दों के खेल वाले नारों ने भी लोगों का ध्यान खींचा है।

यह विरोध-प्रदर्शन इसी महीने कालकाजी के आस्था कुंज पार्क के पास 17 साल की एक लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद तेज हुआ है। इस घटना ने दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर छात्रों की पुरानी चिंताओं और नाराजगी को फिर से बढ़ा दिया है। खासकर इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि महिलाएं बिना डर के शहर में कहीं भी क्यों नहीं आ-जा सकतीं।

छात्रों ने अपना गुस्सा जाहिर करने और मौजूदा हालात पर सवाल उठाने के लिए हास्य, व्यंग्य और दिल्ली में आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले शब्दों का भी सहारा लिया है। ऐसा ही एक नारा चर्चा में है, '1 कचौरी, 2 समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसा।'

प्रदर्शनकारियों ने कई तरह के पोस्टर और तख्तियां भी दिखाई हैं। इन पर व्यंग्यात्मक और रचनात्मक से लेकर सीधे और तीखे संदेश लिखे गए हैं।

आईआईटी दिल्ली और एसीएसआईआर के बीच रिसर्च के आदान-प्रदान के नए रास्ते खुले

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली व एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च (एसीएसआईआर) ने शिक्षा एवं रिसर्च में सहयोग के लिए एक समझौता किया है। इस समझौते से दोनों शीर्ष भारतीय संस्थानों के छात्रों, रिसर्चर्स व शिक्षकों को एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। साथ ही दोनों संस्थान एक दूसरे की शोध सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे।

गौरतलब है कि एसीएसआईआर राष्ट्रीय महत्त्व वाला संस्थान है। समझौते के तहत संयुक्त शोध, शोध छात्रों का सह-मार्गदर्शन, छात्र-शोधार्थी तथा शिक्षक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए आईआईटी दिल्ली व एसीएसआईआर से जुड़े शोध संस्थानों के बीच सहयोग का ढांचा तैयार किया गया है।

इस सहयोग की खास बात पीएचडी, एमटेक और एमएस शोध छात्रों का संयुक्त मार्गदर्शन है। इस व्यवस्था के तहत छात्रों का कम से कम एक मार्गदर्शक आईआईटी दिल्ली से और एक मार्गदर्शक एसीएसआईआर से होगा। इससे छात्रों को अलग-अलग संस्थानों में मौजूद विशेषज्ञता और शोध सुविधाओं के साथ काम करने का मौका मिलेगा। समझौते के तहत पीजी के छात्र, शोधार्थी और शिक्षक दूसरे संस्थानों में शैक्षणिक और शोध कार्य के लिए जा सकेंगे।

आईआईटी दिल्ली और एसीएसआईआर के छात्र संबंधित संस्थान में पाठ्यक्रम और शोध कार्य कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें मेजबान संस्थान में अलग से प्रवेश लेने या शिक्षण शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी।

दिल्ली जल बोर्ड का बड़ा फैसला, सीवर-जलापूर्ति और यमुना सफाई से जुड़ी हजारों करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड ने राजधानी की सीवर और जलापूर्ति व्यवस्था में बड़े सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बोर्ड ने सीवर रखरखाव व्यवस्था में बदलाव के लिए 10 साल की 17,969.93 करोड़ रुपए की योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसके तहत दिल्ली में 'वन जोन, वन ऑपरेटर' व्यवस्था लागू की जाएगी।

नई व्यवस्था के तहत दिल्ली को आठ जोन में बांटा जाएगा। हर जोन के पूरे सीवर नेटवर्क की जिम्मेदारी एक ऑपरेटर के पास होगी। इसमें सीवर लाइन, मैनहोल, पंपिंग स्टेशन और शिकायतों के समाधान की जिम्मेदारी भी शामिल होगी।

Delhi Jal Board

नई व्यवस्था में शिकायत मिलने के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से योजनाबद्ध और नियमित रखरखाव पर जोर दिया जाएगा। जियो-टैग्ड निरीक्षण और केंद्रीय कमांड सेंटर के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी। साथ ही सीवर की सफाई पूरी तरह मैकेनिकल और रोबोटिक तरीके से करने की व्यवस्था की जाएगी।

दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस सुधार का मुख्य उद्देश्य जवाबदेही तय करना है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के लिए यह मायने नहीं रखना चाहिए कि किसी सीवर की जिम्मेदारी किस अधिकारी, डिवीजन या ठेकेदार की है। समस्या होने पर सिस्टम को उसकी जानकारी होनी चाहिए और उसे ठीक करने की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

जेएनयू स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर अभाविप का अनिश्चितकालीन धरना

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कथित बदहाली और अपने कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की जेएनयू इकाई ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की घोषणा की है। संगठन ने स्वास्थ्य केंद्र में जरूरी चिकित्सा उपकरण और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध कराने के साथ कथित धक्का-मुक्की के लिए जिम्मेदार सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

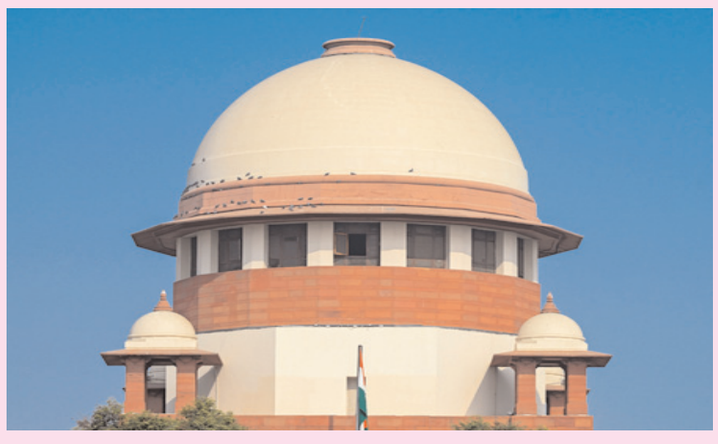
अभाविप के मुताबिक, उसके कार्यकर्ता छात्रों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेने के लिए जेएनयू स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे थे। संगठन का कहना है कि छात्र लंबे समय से जरूरी चिकित्सा उपकरणों की कमी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपलब्धता और मरीजों के साथ व्यवहार को लेकर शिकायत कर रहे हैं।

अभाविप ने आरोप लगाया कि जब उसके कार्यकर्ता इन मुद्दों की जानकारी लेने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो सुरक्षा कर्मियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और उन्हें जबरन बाहर निकाल दिया। संगठन का दावा है कि इस दौरान उसके कार्यकर्ता विकास पटेल, अभय और अनिमेष घायल हो गए। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि जब कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल पूछा तो सुरक्षा कर्मियों ने उनसे कहा, 'तुम कौन हो पूछने वाले?' इसके बाद कथित रूप से धक्का-मुक्की की गई। अभाविप ने दावा किया है कि इससे पहले भी छात्रों के साथ डॉक्टरों की ओर से मारपीट की घटना हो चुकी है। इन्हीं मुद्दों को लेकर संगठन ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की बात कही है।

अभाविप ने विश्वविद्यालय प्रशासन से स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने, जरूरी चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने, विशेषज्ञ डॉक्टरों की व्यवस्था करने और मरीजों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की है।

दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धार्मिक भावनाओं और स्वास्थ्य के बीच बनाएं संतुलन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दीपावली से पहले पटाखों के इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा, बल्कि धार्मिक भावनाओं और स्वास्थ्य-पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली से पहले पटाखों के इस्तेमाल से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि वह धार्मिक भावनाओं और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाकर समाधान तलाशेगा।

सुनवाई के दौरान जस्टिस एमएम सुंदरेश ने कहा कि पूरे देश में पूर्ण प्रतिबंध से कुछ धार्मिक भावनाएं आहत होंगी। उन्होंने कहा, 'हम पूरे देश में पूर्ण प्रतिबंध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन हम कहीं भी 24 घंटे पटाखे फोड़ने की अनुमति भी नहीं देंगे, क्योंकि इससे बीमार, बुजुर्गों और बच्चों पर असर पड़ता है। जस्टिस सुंदरेश ने साफ कहा कि कोर्ट ऐसा समाधान निकालेगा जो सभी के लिए संतुलित हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह ऐसा समाधान तलाशेगा जिसमें पटाखे चलाने के लिए समय-सीमा तय की जाए और यह भी स्पष्ट किया जाए कि किन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति होगी। यानी किस तरह के पटाखे जलाए जा सकते हैं और किन पर रोक रहेगी, यह भी तय किया जाएगा।

कोर्ट ने इस मामले में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और केंद्र सरकार को पटाखों में बेरियम की मौजूदगी की जांच के लिए और अधिक परीक्षण करने का समय दिया है।

इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि पटाखों के संयुक्त फायर टेस्ट करके उनका डेसिबल स्तर भी निर्धारित किया जाए। इससे यह पता चल सकेगा कि पटाखे कितना शोर पैदा करते हैं और उसका स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को तय की है। तब तक सीपीसीबी और केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट और टेस्ट के नतीजे पेश करने होंगे।

मिजोरम में ड्रग्स तस्करी पर ईडी का शिकंजा, 22 बैंक खातों से 4.76 करोड़ रुपए जब्त

विश्व केसरी■



नई दिल्ली/आइजोल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मिजोरम में संगठित सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी और धन शोधन के नेटवर्क से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 22 बैंक खातों में जमा 4.76 करोड़ रुपए की राशि को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है।

ईडी के आइजोल उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने पीएमएलए के तहत संगठित सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी और धन शोधन के नेटवर्क से संबंधित मामले में 22 बैंक खातों में जमा लगभग 4.76 करोड़ रुपए की चल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है।

ईडी के एक बयान के अनुसार, केंद्रीय जांच एजेंसी ने 28 सितंबर को अंतरिम कुर्की आदेश के बाद यह निर्णय लिया।

ईडी ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की अगरतला जोनल यूनिट द्वारा एनसीबी के एक मामले में दायर अभियोजन शिकायत के आधार पर जांच शुरू की। बयान में कहा गया है कि मूल अपराध 21 अगस्त, 2025 को मिजोरम के केइफांग और सेलिंग के बीच चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान 49.101 किलोग्राम मेथम्फेटामाइन टैबलेट और 40 ग्राम हेरोइन की जब्ती से संबंधित है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415